संस्करण

दिल्ली से प्रकाशित

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 228
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार
01 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-

मुख्य अपडेट | पेज 2 अयोध्या की दिवाली जैसी भव्य होगी महाकाल की महाशिवरात्रि, 21 लाख दीयों से जगमगा उठेगा उज्जैन; दीपों को रिसाइकिल कर बनाई जाएगी | पेज 3 गुरुग्राम में सीएनजी स्टेशन के तीन कर्मचारियों की हत्या, हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने से पहले पंप के सभी | पेज 5 गोरखपुर में सीएम योगी के रोड शो में उमड़ी भीड़, सीएम ने कहा कि पांच चरणों के चुनाव हो चुके हैं और रूझान स्पष्ट है

अंतरिम लाभांश चेक

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आनंदी रामलिंगम ने केंद्रीय रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह को 186,89,60,967/- (एक सौ छियासी करोड़ अस्सी-नौ लाख साठ हजार नौ सौ साठ-सात) का अंतरिम लाभांश चेक प्रस्तुत किया।

राजनाथ ने रक्षा प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा की

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने थल,जल, वायु और आंतरिक सुरक्षा पर एशिया की सबसे बड़ी 'रक्षा प्रदर्शनी 2022' की तैयारियों की सोमवार को समीक्षा की। रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन गुजरात के गांधीनगर में दस से 14 मार्च तक किया जा रहा है। दो वर्ष में एक बार होने वाली इस प्रदर्शनी के आयोजन को लेकर पिछले वर्ष के शुरू में कोरोना महामारी के मद्देनजर उहापोह की स्थिति बनी हुई थी लेकिन घरेलू रक्षा उद्योगों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गत 31 जुलाई को इस प्रदर्शनी के गांधीनगर में आयोजन की मंजूरी दे दी। हाल ही में कोरोना संक्रमण में कमी के बाद कई पाबंदियों को समाप्त किये जाने से आयोजकों तथा प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाली कंपनियों का उत्साह बढा है और इसकी तैयारी पूरी तेजी से की जा रही हैं। कोरोना महामारी के मद्देनजर रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन हाइब्रिड मोड में यानी भौतिक तथा वर्चुअल दोनों माध्यम से किया जा रहा है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग तथा कंपनी इसमें हिस्सा ले सकें। प्रदर्शनी का आयोजन तीन स्थानों पर करीब एक लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जा रहा है। प्रदर्शनी हेलिपेड प्रदर्शनी केन्द्र में लगेगी जबकि सेमीनारों का आयोजन महात्मा मंदिर सम्मेलन तथा प्रदर्शनी केन्द्र में और लोगों के लिए हथियारों का प्रदर्शन साबरमती नदी पर किया जायेगा।

आईआईटी कानपुर की स्टडी में दी गई चेतावनी

जून में चौथी लहर दे सकती है दस्तक

एजेंसी

नई दिल्ली। एक तरफ जहां भारत में कोरोना के मामलों में रोजाना गिरावट देखी जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर चौथी लहर की भी खबरें सामने आ रही है। एक स्टडी के मुताबिक देश में इस साल जून के महीने में कोरोना की चौथी लहर दस्तक दे सकती है।

आईआईटी कानपुर के शोधकर्ताओं ने चेतवानी दी है कि कोविड-19 महामारी की चौथी लहर 22 जून के आसपास शुरू हो सकती है और अगस्त के अंत तक चरम पर हो सकती है। स्टडी के मुताबिक चौथी लहर का असर करीब चार महीने तक बना रह सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आईआईटी कानपुर के एक वरिष्ठ शोधकर्ता के मुताबिक, टीकाकरण का प्रभाव संक्रमण की संभावना और चौथी लहर से संबंधित विभिन्न मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह अध्ययन आईआईटी कानपुर के गणित विभाग के सबरा प्रसाद राजेशभाई, शुभ्रा शंकर धर और शलभ ने किया था।

देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा घटा

नयी दिल्ली, 28 फरवरी (वार्ता) भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के कम होते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान नये मामलों के मुकाबले ठीक होने वालों की संख्या अधिक दर्ज की गयी तथा संक्रमण से मरने वालों की संख्या में भी कमी आयी। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से 119 मरीजों ने दम तोड़ा है और इसी के साथ अब तक महामारी की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या पांच लाख तेरह हजार 843 हो गयी है। इस दौरान 8013 मामले सामने आये हैं, जिन्हें शामिल करते हुये कुल मामलों की संख्या चार करोड़ 29 लाख 24 हजार 130 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक कोरोना को मात दे चुके मरीजों की संख्या चार करोड़ 23 लाख 07 हजार 686 तक पहुंच गयी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में किए गए एक और हालिया अध्ययन से पता चला है कि अगला कोरोना वैरिएंट दो अलग-अलग तरीकों से उभर सकता है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि नया वैरिएंट पहले से पहचाने गए लोगों की तुलना में कम गंभीर होगा।

आपको बता दें कि शनिवार को भारत में एक दिन में कोविड-19 के 8,013 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस के संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,29,24,130 हो गई। करीब दो महीने बाद संक्रमण के दैनिक मामले 10 हजार से कम सामने आए हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,02,601 रह गई है।

कोविड टीकाकरण में 177.50 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। पिछले 24 घंटे में देश भर में 4.90 लाख से अधिक कोविड टीके लगाये गये है। इसके साथ ही कुल टीकाकरण 177.50 करोड़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में चार लाख 90 हजार 321 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही आज सुबह सात बजे तक 177 करोड़ 50 लाख 86 हजार 336 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के आठ हजार 13 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख दो हजार 601 रह गयी है।

मणिपुर विधानसभा चुनाव

रात 8 बजे तक 78.09 प्रतिशत वोटिंग

इम्फाल। मणिपुर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 38 सीटों पर वोटिंग जारी है। 8 बजे तक 78.09 प्रतिशत मतदान हुआ। कुछ सीटों पर मतदान का आंकड़ा अभी साफ नहीं है, इसलिए फाइनल आंकड़े सुबह तक आने की उम्मीद है।

चुनाव के दौरान 8 मणिपुर राइफल्स के एक हवलदार की सुबह फेरजॉल जिले में चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। हालांकि घटना कैसे हुई यह साफ नहीं हो सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को इम्फाल भेज दिया है।

भाजपा का दावा- पहले फेज की 38 में से 30 सीटें जीतेंगे

मणिपुर के मुख्यमंत्री और हिंगांग से बीजेपी प्रत्याशी एन बीरेन सिंह ने इम्फाल के श्रीवन हाई स्कूल में वोट डाला।

यहां उन्होंने लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। सीएम बोले, मुझे उम्मीद है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के 75 प्रतिशत लोग भाजपा और मुझे वोट देंगे। पहले फेज में बीजेपी 38 में से 30 सीटें जीतेगी।

पांच सीटें रेड अलर्ट जोन में

मणिपुर की 60 में से पांच सीटें रेड अलर्ट जोन में हैं। इनमें इंफाल ईस्ट की काइराओ, लामलाई और एंड्रो, थौबल की खंगाबोक और थौबल सीट शामिल है। इन सीटों पर तीन या इससे अधिक उम्मीदवार आपराधिक छवि वाले हैं।

राज्यपाल ला गणेशन ने भी इम्फाल में एक बूथ पर मतदान किया। डिप्टी सीएम और उरीपोक से एनपीपी उम्मीदवार युमनाम जॉयकुमार सिंह ने इम्फाल के एक पोलिंग बूथ में वोट डाला।

पहले फेज में मणिपुर के पांच जिलों- इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, कांगपोकपी, और चुराचांदपुर में मतदान हो रहा है। पहले फेज में कुल 173 प्रत्याशी मैदान में हैं, इसमें 15 महिला प्रत्याशी भी शामिल हैं। कोरोना गाइडलाइन के साथ सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 4 बजे तक चलेगा, 3 बजे के बाद कोरोना मरीज मतदान करेंगे।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, उनके मंत्रिमंडल के साथी थोंगम बिस्वजीत सिंह, विधानसभा के स्पीकर वाई खेमचंद सिंह, डिप्टी सीएम युमनाम जोयकुमार और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एन लोकेश की किस्मत का फैसला भी इसी चरण में होना है। राज्य में दूसरे चरण के लिए मतदान 5 मार्च को होगा, वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

अगर पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो 2017 में बीजेपी को 60 में से सिर्फ 21 सीटों हासिल हुई थीं। वहीं, कांग्रेस ने राज्य की 28 सीटों पर कब्जा जमाया था। इसके बाद भी कांग्रेस मणिपुर में सरकार नहीं बना पाई।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों की मदद के लिए जायेंगे चार केंद्रीय मंत्री

नयी दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में दिनोंदिन खराब होते हालातों के बीच वहां फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने के काम में समन्वय के लिए सरकार ने चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संकट पर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों की मदद से बाहर निकालने के मिशन में हिस्सा लेने के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, कानून एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू और पूर्व सेना प्रमुख सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल वी के सिंह जायेंगे। प्रधानमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और उन सभी की सुरक्षित निकासी सरकार की पहली प्राथमिकता है।

परिवारवादियों को यूपी की जनता ने नकार दिया है : मोदी

बलिया। समाजवादी पार्टी (सपा) पर परोक्ष हमला करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले पांच चरणों के मतदान में जनता ने परिवारवादियों को पूरी तरह नकार दिया है और जात पात को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार में विकास के हाइवे पर रफ्तार भरना पसंद किया है। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि यूपी में पांच चरण के चुनाव हो चुके है। पश्चिम से पूरब तक घोर परिवारवादियों को यूपी की जनता ने नकार दिया है। यूपी के लोगों ने बता दिया है कि यूपी की गाडी जाति पाति की गलियों में अटकने वाली नहीं है। उसने विकास के हाइवे पर रफ्तार भर ली है। जाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित का सम्मान और परिवारवाद का विरोध यही बलिया की परिभाषा है।

उन्होने कहा घोर परिवारवादियों ने यूपी की कानून व्यवस्था को बरबाद कर दिया था। योगी सरकार इसे वापस पटरी पर ला रही है। बलिया के हमारे व्यापारी और कारोबारी भूल नहीं सकते कि कैसे उनका पैसा गुंडे और बदमाश छीनकर ले जाते थे। योगी जी की सरकार में आज बलिया का व्यापारी सुरक्षित हो रहा है। उत्तर प्रदेश की जनता के आशीर्वाद बीजेपी का विजय रथ प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश के लोगों ने तय कर लिया है कि उनकी गाड़ी जाति-पाति की गलियों में नहीं घूमेगी। बहनो बेटियों को घर से निकलने में अब गुंडों बदमाशों का डर नहीं है। घोर परिवारवादियों ने अपने शासन में सिर्फ और सिर्फ अपनी तिजोरी भरी। आपके क्षेत्र के विकास पर ध्यान नही दिया। बलिया को अच्छी सड़के चाहिये मगर घोर परिवारवादियों को यह समझ नहीं आया।

दिल्ली सरकार करेगी 'बिज़नेस ब्लास्टर्स इन्वेस्टमेंट समिट एंड एक्सपो' का आयोजन

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार मार्च में 'बिज़नेस ब्लास्टर्स इन्वेस्टमेंट समिट एंड एक्सपो' का आयोजन करेगी जिसमें छोटे बिज़नेस स्टार्स को अपने स्टार्टअप के लिए इन्वेस्टमेंट मिलेगा और बच्चों को दिल्ली सरकार के टॉप विश्वविद्यालय में बीबीए प्रोग्राम में सीधे दाखिला लेने का मौका मिलेगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पांच मार्च को होने वाले 'बिज़नेस ब्लास्टर्स इन्वेस्टमेंट समिट एंड एक्सपो' के बाबत इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करते हुए सोमवार को कहा कि जो इन्वेस्टर्स नए आइडियाज में इन्वेस्ट करना चाहते है वो एक्सपो में आए और देखे कि भविष्य के टाटा, बिरला, इनफ़ोसिस, फेसबुक, टेस्ला जैसी कंपनियों के मालिक कहां से शुरुआत कर रहे है। साथ ही इनके बिज़नेस आइडियाज में इन्वेस्ट कर उनका हौसला बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि जो इनवेस्टमेंट नहीं भी करना चाहते वो लोग भी इस एक्सपो में आकर देखे कि कैसे सरकारी स्कूलों के 11वीं-12वीं के बच्चों को एक मौका देने भर से वो जॉब सीकर नहीं जॉब प्रोवाइडर बन रहे और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए तैयार है।

सिसोदिया ने बताया कि बिज़नेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम विश्व के सबसे बड़े स्टार्टअप प्रोग्राम में से एक हैद्य जहाँ दिल्ली सरकार के स्कूलों के तीन लाख से अधिक बच्चों ने 51,000 से अधिक टीम् बनाई और उन्हें 60 करोड़ रूपये की सीड मनी दी गई और इनमें से ज्यादातर टीमें ने लाभ अर्जित किया तथा जिस टीम ने लाभ नहीं भी कमाया तो उनमें एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट का विकास हुआ है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पहले पड़ाव में स्कूल,जोनल,डिस्ट्रिक्ट लेवल पर इन 51,000 से ज्यादा टीम में से विभिन्न एक्सपर्ट्स की मदद से 1000 टीमों का चयन किया गयाद्य साथ ही एक्सपो के 100 से अधिक टीमों का चयन किया गया है।

युद्ध के बीच भारत की बड़ी पहल....

यूक्रेन में दवाइयां भेजेगा भारत; मानवीय मदद करेगा

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग में भले ही भारत ने किसी का भी पक्ष नहीं लिया है, लेकिन उसने मानवीय आधार पर बड़ा दखल देने का फैसला लिया है। सोमवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन मानवीय मदद भेजेंगे, इसमें दवाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमने यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों को निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा लॉन्च किया है। इसके तहत अब तक 1,400 लोगों को 6 विमानों के जरिए भारत लाया गया है। इनमें से 4 विमान रोमानिया के बुकारेस्ट से आई हैं, जबकि दो विमान हंगरी के बुडापेस्ट से भारत आई हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि लोगों को निकालने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन में लगातार स्थितियां कठिन हो रही हैं, जो चिंताएं बढ़ाने वाली हैं। हमने अपने अभियान को तेज कर दिया है और लोगों को जल्दी से जल्दी निकालने पर हमारा फोकस है। केंद्र सरकार का कहना है कि हमारी ओर से एडवाइजरी जारी किए जाने के बाद से अब तक 8,000 भारतीय यूक्रेन से निकल चुके हैं। एक तरफ मोदी सरकार ने हरदीप सिंह पुरी, वीके सिंह, किरेन रिजिजू और ज्योतिरादित्य सिंधिया को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला लिया है तो वहीं दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने यूक्रेन से लौटने वाले भारतीयों का स्वागत किया।

5 रास्तों से भारतीयों को निकालने की तैयारी कर रही सरकार

यूक्रेन से दिल्ली लौटे एक छात्र ने कहा कि सरकार की ओर से पूरी व्यवस्था की गई थी। हमारे परिवार के लोग चिंतित थे, लेकिन हम सरकार को धन्यवाद देते हैं कि उसने सुरक्षित हमें बाहर निकालने का काम किया। हालात बेहद गंभीर हैं। स्टूडेंट ने कहा कि अब भी बड़ी संख्या में लोग वॉर जोन में फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया जा रहे हैं, जबकि किरेन रिजिजू को स्लोवाकिया भेजा रहा है। इसके अलावा हरदीप सिंह पुरी को हंगरी और वीके सिंह को पोलैंड भेजा जा रहा है। ये सभी मंत्री यूक्रेन के पड़ोसी देशों में पहुंचकर भारतीय लोगों की वापसी में मदद करेंगे।

सरकार की भारतीयों को सलाह- पश्चिमी यूक्रेन की ओर बढ़ें

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने मोलडोवा से भी एक रूट की तलाश की है। इसके जरिए भी लोगों को भारत लाया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया मोलडोवा के रास्ते भी लोगों को निकालने में मदद करेंगे। भारत की ओर से छात्रों और अन्य लोगों को सलाह दी गई है कि वे पश्चिमी यूक्रेन में जाएं। सरकार ने सलाह दी है कि वे सीमाओं की ओर से सीधे तौर पर न जाएं क्योंकि वहां भारी भीड़ है। वहां से निकलने में वक्त लगेगा। इसलिए सरकार ने सलाह दी है कि आसपास के शहरों में चले जाएं और कुछ वक्त वहीं गुजारें। हम वहां व्यवस्था कर रहे हैं और टीमें आपकी हेल्प करेंगी।

यूक्रेन-रुस यूद्ध

'यूएनजीए' की आपात बैठक में रूस को खरी-खरी

यूक्रेन ने कहा- 16 बच्चों सहित अब तक 352 लोग मारे गए

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को रूस-यूक्रेन संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अधिकतम संयम बरतने और बातचीत शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा संकट पर 11वें आपातकालीन विशेष सत्र में कहा, कूटनीति और संवाद कायम रहना चाहिए।

विशेष सत्र की शुरुआत एक मिनट के मौन के साथ हुई। सत्र में गुटेरेस ने कहा, बढ़ती हिंसा के परिणामस्वरूप नागरिकों की मौत हो रही है। अब बहुत हो गया है। सैनिकों को बैरक में वापस जाने की जरूरत है। नागरिकों की रक्षा की जानी चाहिए। गुटेरेस ने आगे कहा, मानवीय सहायता महत्वपूर्ण है, लेकिन यह कोई समाधान नहीं है, एकमात्र समाधान शांति के माध्यम से है... मैंने यूक्रेन के राष्ट्रपति को आश्वासन दिया है कि संयुक्त राष्ट्र सहायता करना जारी रखेगा, हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे, उन्हें मानवीय सहायता प्रदान करेंगे।

इससे पहले कीव और मास्को के प्रतिनिधियों के बीच बेलारूसी शहर गोमेल में एक बैठक हुई। लेकिन ठीस उसी दौरान यूक्रेन के शहरों और उपनगरों में भारी लड़ाई जारी थी। बैठक के दौरान यूक्रेन ने रूस से पहले तत्काल युद्धविराम और बातचीत से पहले उसके क्षेत्र से रूसी सैनिकों की वापसी की मांग की। यूक्रेन रूस संघर्ष पर यूएनजीए की आपात बैठक में यूक्रेन के प्रतिनिधि ने कहा कि अब तक, यूक्रेन की ओर से 16 बच्चों सहित 352 लोग मारे गए हैं। ये संख्या लगातार बढ़ रही है, गोलाबारी जारी है। उन्होंने कहा, रूसी सैनिक अंजाम भुगत रहे हैं, पहले ही हजारों मैनपावर खो चुके हैं। यूक्रेन के खिलाफ इस हमले को रोकें। हम रूस से बिना शर्त अपनी सेना वापस लेने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के पूर्ण अनुपालन की मांग करते हैं।

यूक्रेन में फंसे छात्रों को निकालने की योजना साझा करे सरकार : राहुल-प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को तत्काल वापस लाने की अपनी योजना पीड़ित छात्रों तथा उनके परिजनों के साथ साझा करें।

गांधी ने ट्वीट किया, यूक्रेन में जारी हिंसा से जूझ रहे भारतीय छात्रों और इन वीडियो को देखने वाले उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी संवेदना है। किसी भी अभिभावक को इस तरह की पीड़ा से नहीं गुजरना चाहिए। भारत सरकार को फंसे हुए लोगों और उनके परिजनों के साथ उनको निकालने की अपनी योजना को तत्काल विस्तार से साझा करना चाहिए। हम अपनों को इस तरह नहीं छोड़ सकते।

उन्होंने यूक्रेन में फंसे छात्रों का एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें पीड़ित छात्र परेशान हो रहे हैं और यूक्रेन से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं।

वाड्रा ने कहा नरेन्द्र मोदी जी एवं डॉ. एस जयशंकर जी यूक्रेन से आ रहे भारतीय छात्र-छात्राओं के वीडियो मन को बहुत ही ज्यादा व्यथित करने वाले हैं।

इन बच्चों को भारत वापस लाने के लिए जो कुछ भी बन पड़ता है, भगवान के लिए, वह करिए। पूरा देश इन छात्र-छात्राओं और इनके परिवारों के साथ है। आपसे आग्रह है कि कैसे भी सरकार इनकी सकुशल वापसी करवाने का प्रयास करे।

शार्ट न्यूज

नियंत्रण रेखा पर पीओके का घुसपैठिया पकड़ाया

जम्मू। जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सोमवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक घुसपैठिए को सेना के अलर्ट जवानों ने पकड़ लिया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सेना के जवानों ने घुसपैठिए को उस समय पकड़ा, जब वह नियंत्रण रेखा पार करने के बाद भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि घुसपैठिए को समीपस्थ सेना की यूनिट में ले जाया गया। वहीं स्थानीय पुलिस को भी अग्रिम कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है।

बीएसएफ ने तंगधार से तीन मरीजों को बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से श्रीनगर पहुंचाया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाडा में बर्फ से ढके तंगधार सेक्टर से तीन मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कराने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को हेलीकॉप्टर से श्रीनगर पहुंचाया। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि भारी हिमपात के कारण साधना टॉप से गुजरने वाली सड़क बंद होने के कारण स्थानीय प्रशासन के आग्रह पर तंगधार से दो पुरुष तथा एक बच्चा हेलीकॉप्टर से श्रीनगर पहुंचाया गया। बीएसएफ (कश्मीर) महानिरीक्षक राजा बाबू सिंह ने कहा, हम लोग यहां हमेशा कश्मीर में लोगों की सेवा करने के लिए तत्पर हैं।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई के लिए योजना बनाने का सुझाव : मुंडे

परली। महाराष्ट्र के बीड़ जिले के अभिभावक मंत्री धनंजय मुंडे ने सोमवार को जिले के सभी चीनी कारखानों को गन्ने की पेराई के लिए योजना बनाने का सुझाव दिया और प्रत्येक तालुका के सभी तहसीलदारों को गन्ने की कटाई को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। मुंडे ने कलेक्टर एवं जिले की समस्त चीनी मिलों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीति के लिए आगामी चुनाव आने वाले हैं, वहां राजनीति की जा सकती है, लेकिन जब किसान संकट में हों तो सहकारी समितियों और निजी चीनी मिलों को राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारखानों द्वारा कार्यक्रम तय किया गया, उसी के अनुसार पंजीकरण किया गया, कार्य के विशिष्ट क्षेत्र के साथ-साथ किसानों की स्थिति पर भी विचार किया जाना चाहिए। कोविड काल में जब आक्सीजन की समस्या उत्पन्न हुई तो बड़े-बड़े नेता और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर लोगों की जान बचाने के लिए पूरी रात डटे रहे। इस वर्ष गन्ना की अत्यधिक उपज के कारण गन्ना किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अच्छी बारिश के कारण गन्ने का रकबा बढ़ा है और जब अतिरिक्त गन्ने की बात आती है, तो सभी पंजीकृत और अपंजीकृत गन्ने का प्रबंधन करने की आवश्यकता है। श्री मुंडे ने सुझाव दिया कि जिला प्रशासन को प्रत्येक तालुका में दैनिक गन्ना कटाई की योजना और समन्वय के लिए तहसीलदारों को जिम्मेदारी देनी चाहिए।

हरीश रावत को पहाड़ का नेता नहीं मानता

नैनीताल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं चंपावत के लोहाघाट से विधायक पूरण सिंह फर्त्याल ने कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर जोरदार सियासी हमला करते हुए कहा कि मैं हरीश रावत को पहाड़ का नेता नहीं मानता। उन्होंने कहा कि वह पहाड़ से पलायन कर गये हैं। फर्त्याल ने एक बयान में कहा कि श्री रावत बार-बार पहाड़ से पलायन और पलायन रोकने की बात करते हैं लेकिन वह खुद पलायन कर गये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ की जनता ने तीन बार सांसद बनाया और लोकसभा भेजा लेकिन वह विधानसभा चुनावों में पहाड़ को दरकिनार कर तराई एवं हरिद्वार चले गये। तराई की जनता ने हालांकि उन्हें सबक सिखाया और वह 2017 में दोनों जगह से चुनाव हार गये। उन्होंने आगे कहा कि इस बार भी वह पहाड़ से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं दिखा पाये और पहले रामनगर विधानसभा को चुना और उसके बाद लालकुआं चले गये। उन्होंने आरोप लगाया कि पहाड़ से पलायन करने वाले पहाड़ का क्या पलायन रोकेंगे? पहाड़ का क्या भला करेंगे? श्री फर्त्याल ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष रहे हैं लेकिन वह विधानसभा चुनाव के दौरान अपनी और अपनी पुत्री अनुपमा रावत की हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा तक ही सीमित रहे। वह अन्य विधानसभाओं में चुनाव प्रचार तक नहीं जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि खुद को मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित करने वाले खुद एक प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़े। उन्होंने श्री रावत पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पहले अपना पलायन रोके फिर पहाड़ का पलायन रोकने की बात करें।

चीन और नेपाल सीमा से जुड़े 146 उच्च हिमालयी गांव जुड़ेंगे मोबाइल नेटवर्क से

नैनीताल। चीन और नेपाल सीमा से सटे उत्तराखण्ड के 146 उच्च हिमालयी गांवों को अब नेपाल के मोबाइल नेटवर्क से निजात मिलेगी और इन गांवों को पहली बार भारतीय मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा जायेगा। भारतीय दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल और जिओ इन गांवों में नेटवर्क उपलब्ध करायेंगी। यह जानकारी केन्द्र के टेलीकाम विभाग के सचिव हरि रंजन राव ने सोमवार को सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के धारचूला में दी। उन्होंने यहां दूरसंचार कंपनियों और अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीमांत गांवों को दूरसंचार से जोड़ना भारत सरकार की प्राथमिकता है और बीएसएनएल और जियो कंपनी को मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने दूरसंचार कंपनियों को साफ-साफ निर्देश दिये कि टावर लगाने के लिये स्वीकृत प्रस्ताव किसी भी दशा में रद्द नहीं होंगे। उन्होंने कंपनियों को निर्देश दिये कि टावर लगाने के लिये शीघ्र भूमि का चयन और लीज अनुबंध का प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने आगे कहा कि सीमांत 146 गांवों को मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा जायेगा। बीएसएनएल कंपनी 141 जबकि जिओ द्वारा 54 गांवों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराया जायेगा। उल्लेखनीय है कि चीन सीमा से जुड़े गांवों में अभी तक भारतीय मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। यहां के ग्रामीण नेपाली नेटवर्क से जुड़कर काम चला रहे थे। देश की ऐतिहासिक कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने से कैलाश मानसरोवर जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

पेटा ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीय छात्र और उसके कुत्ते को बचाने का किया आग्रह

हैदराबाद। पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) ने सोमवार को केंद्र सरकार से एक भारतीय छात्र और उसके डॉग को युद्धग्रस्त यूक्रेन से बचाने का आग्रह किया। पेटा ने यह अनुरोध एक भारतीय छात्र ऋषभ कौशिक द्वारा सोशल मीडिया पर मदद की अपील के के बाद आया है। कौशिक ने अपने कुत्ते मालिबू के बिना युद्ध प्रभावित यूक्रेन छोड़ने से इनकार कर दिया था। इस संबंध में पेटा ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को तत्काल एक पत्र भेजा और उनसे तत्काल अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने और कौशिक तथा कुत्ते के लिए सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा पेटा ने मंत्री से यूक्रेन से भारत आ रहे यात्रियों को कुत्ता, बिल्ली और अन्य पालतू जानवरों को साथ लाने के लिए नियमों में ढील देना का भी आग्रह किया है। पेटा ने अपने पत्र में कहा कि जहां एक ओर कई जानवर भूख से मर जाते हैं या घायल हो जाते हैं, लोग उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं, या वे वाहनों की चपेट में आ जाते हैं। वहीं, कौशिक ने मालिबू की जान बचाई और उसे एक जीवन दिया है। पेटा ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन में खार्किव नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ रेडियो इलेक्ट्रॉनिक्स में पढ़ने वाले कौशिक का कहना है कि उन्होंने दिल्ली में भारत सरकार की एनिमल क्वारंटाइन एंड सर्टिफिकेशन सर्विसेज (एक्यूसीएस) और यूक्रेन में भारतीय दूतावास से भी संपर्क किया है, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

अयोध्या की दिवाली जैसी भव्य होगी महाकाल की महाशिवरात्रि

21 लाख दीयों से जगमगा उठेगा उज्जैन; दीपों को रिसाइकिल कर बनाई जाएगी भगवान की प्रतिमा

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर उज्जैन में शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव मनाया जाएगा। यह अब तक का सबसे भव्य समारोह होगा। 21 लाख दीये प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। क्षिप्रा नदी के तट पर 10 मिनट में 12 लाख दीप जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का लक्ष्य है। अब तक यह रिकॉर्ड अयोध्या के नाम है।

उज्जैन कलेक्टर आशीष सिंह के अनुसार 1 मार्च को उज्जैन शहर इतिहास लिखेगा। शहर के लोग 21 लाख दीपक जलाकर महाशिवरात्रि महोत्सव मनाएंगे। दीपोत्सव देखने के लिए आम लोगों को 8 बजे घाटों पर प्रवेश मिलेगा। दीप प्रज्ज्वलित करने और इसकी तैयारियों को लेकर 1 मार्च की रात्रि 8 बजे तक घाटों पर पहुंचने वाले मार्ग बंद रहेंगे।

सायरन के साथ 10 मिनट में जलाने होंगे सभी दीये

कार्यक्रम मंगलवार शाम 7 बजे प्रारंभ होगा। रामघाट पर सायरन बजने के साथ दीपक जलाने के लिए 10 मिनट का समय मिलेगा।

दीपक जलने के बाद सबको पीछे हटना होगा। दूसरे सायरन की आवाज पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम इस रिकॉर्ड को अपने कैमरे में कैद करेगी। 7.30 बजे सभी वॉलंटियर्स फ्री हो जाएंगे। घाटों पर एक साथ 6000 ब्लॉक के 120 सेक्टर में करीब 14 लाख दीपों को रखा जाएगा। दीपोत्सव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी दीये जलाएंगे।

21 लाख दीपक में यहां भी जलेंगे बड़ी मात्रा में दीप

क्षिप्रा के तट के अलावा महाकाल मंदिर में 51000, मंगल नाथ मंदिर में 11000, कालभैरव मंदिर एवं घाट पर 10000, गडकालिका मंदिर में 1100, सिद्धवट मंदिर एवं घाट पर 6000, हरसिद्धि मंदिर में 5000, टावर चौक पर 1 लाख, अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी 2 लाख दीप जलाए जाएंगे।

अयोध्या से कितना अलग होगा उज्जैन का दीपोत्सव

अयोध्या में दीपावली के मौके पर 9 लाख 45 हजार 600 दीपक लगाए गए थे। उज्जैन में महाशिवरात्रि पर 21 लाख दीपक जलाए जाएंगे। उज्जैन में रामघाट से भूखी माता घाट तक एक साथ 12 लाख दीपक जलाए जाएंगे। शेष 9 लाख दीये शहर के अन्य स्थानों पर लगाए जाएंगे।

अयोध्या दीपोत्सव में विश्वविद्यालय परिसर, महाविद्यालय, विभिन्न गैर शिक्षक संस्थान, एनसीसी, एनएसएस समेत 12 हजार स्वयंसेवक ने सहयोग किया था। इसी तरह उज्जैन में भी नगर निगम और स्मार्ट सिटी के साथ जिला पंचायत से जुड़े 14 हजार से अधिक स्वयं सेवक जुड़ेंगे। इनमें स्टूडेंट्स को भी शामिल किया गया है।

अयोध्या में दीपोत्सव में प्रति स्वयंसेवक 75 से 80 दिए जलाने का लक्ष्य रखा गया था। उज्जैन में प्रति स्वयंसेवक 225 दीपक जलाने का लक्ष्य है।

अयोध्या में 9 लाख दिए जलाने में सरकार ने 1.24 करोड़ रुपए खर्च किए थे। उज्जैन में 21 लाख दीपक जलाने में सिर्फ 40 लाख खर्चा होगा। रामजन्मभूमि में रामलला के दरबार को भी फूलों से सजाने के बाद यहां 30 हजार दिए जलाए गए थे। महाकाल मंदिर में 51 हजार दिए जलाए जाएंगे।

अयोध्या दीपोत्सव में संस्कृति विभाग ने भी राम राज्याभिषेक यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक कलाओं की प्रस्तुति आदि में कुल 1 करोड़ 54 लाख रुपये खर्च किए थे। उज्जैन में इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे।

दीप प्रज्जवलित करने ये संगठन आगे आए

13000 स्वयं सेवकों को क्षिप्रा घाट पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए लगाया गया है, जिसके लिए 17593 स्व-पंजीकरण पहले ही किया जा चुका है। इसमें कॉलेजों से 2913, निजी स्कूलों से 1210, सरकारी स्कूलों से 3090, राष्ट्रीय सेवा योजना से 1023, खेल और युवा कल्याण से 552, तीर्थ पुरोहितों, पंडितों और अखाड़ों से 513, क्षत्रिय मराठा समुदाय से 56, कायस्थ समुदाय से 285 शामिल हैं। राठौर समुदाय से 95, गुजराती समुदाय से 120, सिंधी समुदाय से 100, अग्रवाल समुदाय से 173, सामाजिक संगठनों, समूहों, एनजीओ, सामाजिक कल्याण समूहों से 1027, कोचिंग संस्थानों से 1300, व्यावसायिक संगठनों से 111, राजनीतिक से 900 और पंचायत से 4000 एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्वयंसेवक द्वारा पंजीयन करवाया गया है।

राहुल ने स्टालिन की आत्मकथा का किया विमोचन

चेन्नई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनकी आत्मकथा (राजनीतिक यात्रा) उनगलिल ओरुवन (आप में से एक) के भाग-1 का विमोचन किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दलों के कई नेता एक साथ नजर आए।

यह समारोह चेन्नई व्यापार केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के अलावा द्रमुक के कई नेता और सहयोगी शामिल हुए।

श्री गांधी ने पुस्तक का विमोचन किया और किताब की पहली प्रति द्रमुक महासचिव और जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने प्राप्त की।

इस मौके पर श्री स्टालिन ने कहा कि

आत्मकथा में उनके जीवन के पहले 23 सालों के बारे में जानकारी दी गयी है। उन्होंने कहा, किताब में उनके स्कूल और कॉलेज के दिनों, राजनीति में आने, पहली बैठक,पहला भाषण, शादी और इमरजेंसी के दिनों को बारे में बताया गया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को भाजपा के विरोधी दलों को एकजुट करने और 2024 के लोकसभा चुनावों में एक मजबूत मोर्चा बनाने के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है।

सत्तारूढ़ द्रमुक के नेता श्री स्टालिन ने पहले ही कई शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की थी। इसके अलावा वह केरल, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्रियों से संपर्क करते रहे हैं। उन्होंने इन सभी इस आयोजन के लिए एक निमंत्रण दिया, जिसे राजनीतिक पर्यवेक्षक भाजपा के खिलाफ एक क्षेत्रीय मोर्चा बनाने के एक कदम के रूप में देख रहे हैं।

द्रमुक संसदीय दल के नेता टी आर बालू ने पिछले हफ्ते नयी दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को निमंत्रण सौंपा और उन्होंने (सोनिया गांधी) इस आयोजन के लिए श्री गांधी को अपना प्रतिनियुक्त किया।

सूत्रों ने कहा कि यह कार्यक्रम देश में गैर-भाजपा राजनीतिक दलों के नेताओं को एक साथ लाने का एक प्रयास है। द्रमुक केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की विभिन्न योजनाओं का विरोध कर रही है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति, सीएए में संशोधन और किसान सुधार कानून शामिल हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के लिए एनईईटी से छूट की मांग की गई थी। इसके लिए विधानसभा से एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था, जिसे राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करने के लिए राज्यपाल को भेजा गया था।

गौरतलब है कि श्री गांधी के तमिलनाडु यात्रा से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) भी श्री स्टालिन से मुलाकात कर चुके हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि क्षेत्रीय दल भाजपा के खिलाफ मोर्चा बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

कार्यक्रम के बाद श्री गांधी ने टीएनसीसी मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में नगर निकायों के नवनिर्वाचित कांग्रेस सदस्यों से मुलाकात की।

बैंक चोरी का प्रयास असफल होने पर चोर लिख गया, 'फिर कोशिश करूंगा'

जींद। हरियाणा के जींद जिले में कल चोर ने बैंक से चोरी का असफल प्रयास किया और जाते-जाते वह दीवार पर लिख गया,'वादा रहा, फिर कोशिश करूंगा।'

बैंक शुक्रवार को बंद किया गया था उसके बाद आज सुबह बैंक खोले जाने पर वारदात का पता चला।

पुलिस ने बताया कि जुलाना दुर्गा मंदिर वाली गली में स्थित पंजाब नेशनल बैंक की दीवार में सेंध लगाकर चोर स्ट्रांग रूम की दीवार तक पहुंच गये, दीवार तोड़ने का उनका प्रयास हालांकि सफल नहीं हो गया। इससे हतोत्साहित हुए बिना चोरों ने एक तरह से बैंक प्रबंधन को चुनौती देते हुए स्ट्रांग रूम की दीवार पर टूटी-फूटी अंग्रेजी में लिख दिया, वायदा रहा, फिर कोशिश करेंगे।

घटना का पता आज सुबह तब पता चला जब बैंक खोला गया। चोरी के

असफल प्रयास की घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जुलाना थाना पुलिस ने बैंक प्रबंधन की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि चोर दिन में करीब 11 बजकर 40 मिनट पर दीवार तोड़ कर बैंक में घुसता है और बैंक के स्ट्रांग रूम की दीवार को तोड़ने का प्रयास करता है। दीवार नहीं टूटने पर चोर दीवार पर टूटी-फूटी अंग्रेजी में लिखता है कि इस बार तो कामयाब नहीं हो पाया लेकिन अगली बार फिर कोशिश करूंगा।

बीबीएमबी नियम में संशोधन किसान आंदोलन में हार का बदला लेने की कोशिश : अभय

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने आज आरोप लगाया कि बीबीएमबी नियम 1974 में संशोधन करने का कारण केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की किसान आंदोलन में हुई हार का बदला लेने की कोशिश करना है।

उन्होंने यहां जारी बयान में कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के प्रबंधन में केंद्र सरकार ने बीबीएमबी नियम 1974 में संशोधन कर संशोधित नियम 2022 लागू किया है जिसके तहत हरियाणा और पंजाब दोनों प्रदेशों को उसकी अनिवार्य स्थाई सदस्यता (सिंचाई) से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने हरियाणा के लिए स्थाई सदस्यता (सिंचाई) और पंजाब प्रदेश के लिए स्थाई सदस्यता (बिजली) की अनिवार्यता खत्म करने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह देश के संघीय

ढांचे पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पंजाब पुनर्गठन कानून 1966 का सरासर उल्लंघन करते हुए हरियाणा प्रदेश के अधिकारों को कुचलने का काम किया है।

चौटाला ने आरोप लगाया कि किसान आंदोलन में कृषि कानून वापस लेने की हार से 'तिलमिलाई' सरकार ने दोनों प्रदेशों से बदला लेने की मंशा से यह कदम उठाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार 'फूट डालो राज करो' की नीति अपनाते हुए भविष्य में कोई किसान आंदोलन सफल न हो सके इसके लिए साजिश के तहत हरियाणा और पंजाब के किसानों के बीच बिजली और पानी को लेकर मतभेद पैदा करना चाहती है।

चौटाला ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और गठबंधन सरकार में शामिल जननायक जनता पार्टी नेताओं की चुप्पी पर सवाल भी उठाया। इनेलो नेता ने हरियाणा प्रदेश की चंडीगढ़ में अपनी हिस्सेदारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि धीरे-धीरे प्रमुख प्रशासनिक पदों समेत सभी क्षेत्रों में हरियाणा की हिस्सेदारी खत्म की जा रही है और इस पर भी श्री खट्टर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में प्रशासक के तौर पर सिर्फ पंजाब के गवर्नर को ही लगाया जाता है लेकिन हम मांग करते हैं कि रोटेशन नीति अपना कर एक बार पंजाब और एक बार हरियाणा के गवर्नर को चंडीगढ़ का प्रशासक बनाया जाना चाहिए।

कलकत्ता : दोबारा शव परीक्षण के लिए कब्र से बाहर निकाला अनीस का शव

अमता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सोमवार को मृतक छात्र नेता अनीस खान का शव दोबारा पोस्टमार्टम के लिए जिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में क्रब से बाहर निकाला गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

अदालत की निगरानी में कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल के चिकित्सक, पीड़ित परिवार और उसके वकील की मौजूदगी में दोबारा पोस्टमार्टम किया जाएगा। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की जाए।

शुरूआत में उस समय विवाद हुआ जब विशेष जांच टीम (एसआईटी) अधिकारी लगभग 10 बजे एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट और डॉक्टरों की एक टीम के साथ खुदाई के लिए पहुंचे।

जिस पर विवाद हो गया। इस दौरान खान परिवार और उनके वकील इम्तियाज ने एसआईटी के अधिकारियों कब्र खोदने से रोक दिया और जिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति पर जोर दिया।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार अनीस खान की कब्र की खुदाई के दौरान बारासात अदालत के जिला मजिस्ट्रेट को उपस्थित होना था। उन्होंने कहा कि हम एसआईटी के साथ सहयोग कर रहे हैं और कोर्ट के आदेश का पालन कर रहे हैं, एसआईटी को भी कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

उसके बाद एसआईटी ने बरासत के मजिस्ट्रेट से संपर्क किया। इसके बाद वह कब्रिस्तान पहुंचे और कब्र खोदने का काम शुरू किया।

इस दौरान अनीस के पड़ोसियों ने अल्लाहो अकबर और अनीस खान अमर रहे के नारे लगाए।

इससे पहले शनिवार को दूसरे शव परीक्षण के लिए कब्र खोदने गए अधिकारियों को सैकड़ों ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा और उन्हें बिना खोदाई के वापस आना पड़ा था। खान परिवार और उनके पड़ोसियों ने तब कहा था कि उन्होंने एसआईटी से दूसरे शव परीक्षण के लिए सोमवार को आने के लिए लिखित अनुरोध किया था।

गौरतलब है कि अनीस का शव 19 फरवरी की तड़के उनके घर के बाहर खून से लथपथ मिला था। उनके परिवार ने आरोप लगाया है कि चार अज्ञात लोग जिनमें से पुलिस की वर्दी में थे उनके घर में घुसे और भारतीय धर्मनिरपेक्ष मोर्चा के कार्यकर्ता को दूसरी मंजिल से नीचे धक्का देकर फैंक दिया। इस मामले में प्रीतम भट्टाचार्य और एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया जा चुका है।

गया में अंतर्राष्ट्रीय मूर्ति तस्कर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

गया। बिहार में गया जिले के बोधगया थाना क्षेत्र से पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मूर्ति तस्कर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक (नगर) राकेश कुमार ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सूचना मिली थी कि बोधगया के कुछ मूर्ति तस्कर चोरी की मूर्तियों की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। इसके बाद बोधगया के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम ने बोधगया के मस्तपुरा गांव में छापामारी कर मूर्ति तस्कर घूंघर चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से दो प्राचीन मूर्ति और 4 स्तूपों के साथ 4 लोगों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार मूर्ति तस्कर मूर्तियों की तस्करी के लिए पटना से बोधगया आए थे। पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल फ़ोन एवं एक कार भी बरामद किया है। कुमार ने बताया कि गिरफ्तार मूर्ति तस्करों में नालंदा जिले के सिलाव थाना क्षेत्र के सिमा गांव निवासी मो. शमशाद, बोधगया थाना क्षेत्र के मस्तपुरा निवासी घूंघर चौधरी, पटना जिले के दानापुर उसरी निवासी अमित कुमार, कटिहार जिले के ड्राइवर टोला निवासी अरविन्द दास एवं नवादा जिला के बुंदेलखंड थाना क्षेत्र निवासी मो. सोनू शामिल है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के दौरान पता चला कि सिलाव थाना क्षेत्र के सिमा निवासी मो. इदरीश इससे पहले भी चार बार प्राचीन मूर्तियों की चोरी और डकैती केस में जेल जा चुका है। उसके मोबाइल से कई प्राचीन मूर्तियों की तस्वीर व डिटेल भी पुलिस को मिले है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह प्राचीन चोरी की मूर्तियों का कारोबार करता है और उसे नेपाल के रास्ते अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भेजता है। इसके पहले वह वर्ष 2012 से 2019 के बीच फतेहपुर, कतरीसराय, राजगीर एवं दीपनगर थाना से मूर्ति तस्करी एवं डकैती के मामले में जेल जा चुका है।

राजस्थान : प्रदेश सरकार ने बजट में अजमेर के साथ किया सौतेला व्यवहार : वासुदेव देवनानी

अजमेर। राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस सरकार के वर्तमान बजट में अजमेर के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया है। अजमेर उत्तर क्षेत्र से विधायक श्री देवनानी आज अपने आवास पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस बार का बजट भी बजट घोषणाओं का बजट है। जिले में बजट किशनगढ़, केकड़ी, मसूदा के बीच सीमित होकर रह गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत समानता की बात करते हैं लेकिन वर्तमान बजट में अजमेर की घोर उपेक्षा हुई है। यहां तक की पिछली बार की घोषणाएं भी एक भी पूरी नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि पिछली बार की घोषणाओं में अजमेर के लिए पब्लिक हेल्थ कॉलेज, 25 करोड़ की लागत वाला ट्रोमा सेंटर, राजस्थान राज्य आयुष अनुसंधान केंद्र, मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम,

आयुर्वेद.योग.नैचुरलपैथी एकीकृत महाविद्यालय तथा हॉस्पिटल मैनेजमेंट कैडर जैसी घोषणाएं हवा हवाई होकर रह गई। उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत से सवाल किया कि अजमेर सौगातों की बौछारों का क्या हुआ। इनमें से एक भी क्यों नहीं क्रियान्वित हो पाई।

श्री देवनानी ने देश में सर्वाधिक बेरोजगारी राजस्थान में बताते हुए इसे 27 प्रतिशत बताया। बजट में एक लाख नौकरी देने की बात कही गई। 61 हजार नौकरी किन्हीं कारणों से भाजपा के समय में अटकी हुई थी। कांग्रेस ने अपने पिछले तीन साल के राज में केवल 39 हजार नौकरी देकर एक हजार नौकरी का श्रेय लेना चाहा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के बेरोजगारों को छला जा रहा है उन्हें धोखा दिया जा रहा है। यहां तक की संविदाकर्मियों को भी स्थाई न करके उनके साथ छलावा हो रहा है।

उन्होंने श्री गहलोत के कृषि बजट को अलग से पेश करने पर भी चुटकी ली और कहा कि यहां भी किसानों को अंधेरे में रख धोखा किया गया है। पिछली बार 13 हजार 971 करोड़ का कृषि बजट था और इस बार 13 हजार 470 करोड़ रुपये का कृषि बजट है यानी पहले की तुलना में बजट 500 करोड़ रुपये कम है फिर भी झूठी वाहवाही लूटी जा रही है। उन्होंने कहा कि श्री गहलोत एवं श्री डोटासरा केंद्र पर अनुदान नहीं देने का आरोप लगा रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपा राज में केंद्र से 20540 करोड़ का अनुदान मिला जबकि कांग्रेस सरकार का 45387 करोड़ का अनुदान मिल रहा है यानी दोगुने से ज्यादा अनुदान लेकर भी लोगों को भ्रमित करने का काम कांग्रेस सरकार कर रही है।

श्री देवनानी ने बजट में बिजली फ्री अथवा छूट के मुद्दे पर कहा कि सरकार राज्य भर में 3575 करोड़ के स्मार्ट मीटर लगाने जा रही है। मीटर किराया उपभोक्ताओं से ही वसूला जाएगा। ऐसे में फ्री बिजली अथवा छूट कम करना एक जेब में देना और दूसरी जेब से निकालने के सामान है। सरकार द्वारा बजट में 2004 से पेंशन बहाली के मुद्दे पर देवनानी ने कहा कि तब से अब तक 18 वर्षों में कर्मचारियों का पैसा सरकार के पास जमा है लेकिन इस जमा राशि पर सरकार ने कोई व्यवस्था नहीं दी हैं।

शार्ट न्यूज

सुधा सॉसायटी फ़ाउंडेशन गुरुग्राम ने विश्व एनजीओ दिवस मनाया

गुरुग्राम। हर साल 27 फरवरी को दुनिया भर में एनजीओ दिवस मनाया जाता है। सुधा की अध्यक्षा श्री मति रुचि सक्सेना ने बताया कि एनजीओ का अर्थ है गैर सरकारी संगठन जो सरकार या किसी व्यवसायी व लाभ के लिए काम नहीं करती, बल्कि जनसेवा ही उसका उद्देश्य होता है। जरूरतमंदों की मदद करना, गरीब-बेसहाराओं के दुख-दर्द को समझकर उनको सहारा बनना या मदद तलाश करना एनजीओ का काम होता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य एनजीओ के प्रति जागरूकता बढ़ाना और एनजीओ के कार्यों को प्रोत्साहित करना है। श्रीमती भावना जो ट्रीट मील किचन चलाती है आज कि मुख्य अतिथि रही । आज जेजे क्लस्टर , साउथ सिटी 2 , खलबपड़ा, बंगाली मार्केट के निम्न आय वाले परिवारों के 250 बच्चों को लंच पैकेट बाटे गए । उन बच्चों को उम्र के हिसाब से खिलौने, टेडी बीयर, स्कूल बैग् आदि ज़रूरत की चिज दी गयी । सुधा के चैरमन श्री गोपाल कृष्ण भटनागर ने अपने संदेश में कहाँ भारत में कई ऐसे नेक व्यक्तित्व के लोग हैं, जो अपने आप में ही एनजीओ हैं। खास कर भारत में गरीबों, बेसहारा लोगों की मदद करने में कई महिलाओं का विशेष योगदान है। विश्व एनजीओ दिवस के मौके पर मानव सेवा को ही अपना जीवन बनाने वाले कार्यकर्ता को संगठित कर के सेवा कार्य में लगने के लिए प्रोत्साहित करना होगा । सुधा के बोलेंटीर श्री अनिल दत्ता ,आकाश अग्रवाल ,अमिताभ खरे ,मिनास, श्रेस्था ,पृतिका ,बबिता ,अंजलि ,दक्षता निहारिका, निखिल पीटी ने भरपूर सहयोग दिया और बच्चों का मनोरंजन किया ।

शहीदी दिवस के उपलक्ष पर 23 मार्च को क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा मिले : परमजीत सिंह पम्मा

नई दिल्ली। शहीद भगत सिंह सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह ऑस्ट नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा में अध्यक्षता महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के उपलक्ष पर उन्हें श्रद्धांजलि देख कर कहां चंद्रशेखर आजाद,भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव भारत के वे सपूत थे जिन्होंने अपनी देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर कर गए। 23 मार्च यानि देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों को हंसते-हंसते न्यौछावर कर दिया। इस शहीद दिवस पर चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु,सुखदेव, आसिफ उल्लाह खान, उधम सिंह सहित अनेक क्रांतिकारी जिन्होंने देश की आजादी के लिए कुर्बानी दी है उन को शहीद का दर्जा दिया जाए। पम्मा व ऑस्ट ने कहा यह दिवस न केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी होने वा गौरव का अनुभव कराता है, बल्कि वीर सपूतों के बलिदान को भीगे मन से श्रद्धांजलि देता है। इस अवसर पर बिंदिया मल्होत्रा, सतपाल सिंह मंगा संध्या इंदौरा, त्रिलोचन सिंह ,लखविंदर सिंह, सुरजीत सिंह नैयर,राजेश्वरी,अमन परवाना, राजीव जोली,खोसला,हितेश शर्मा, इंदरजीत सिंह, मनजीत सिंह,अंजू शर्मा, हरदीप सिंह माथारू,नदीम अहमद,मनोज पवार,सीमा मान,शोभा दुग्गल,सायन इंदौरा सहित सभी ने क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग की और चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु,सुखदेव, आसिफ उल्लाह खान, उधम सिंह अमर रहे शहीद का दर्जा दो जैसे नारे लगाए।

गुरुग्राम में सीएनजी स्टेशन के तीन कर्मचारियों की हत्या

हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने से पहले पंप के सभी सीसीटीवी कैमरों को बंद कर दिया गया

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम के सेक्टर 31 स्थित एक सीएनजी पंप पर सोमवार सुबह अज्ञात बदमाशों ने सीएनजी स्टेशन के तीन कर्मचारियों की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। इस वारदात में पंप के प्रबंधक पुष्पेंद्र, ऑपरेटर नरेश और सेलर गोपेंद्र की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गयी। पुष्पेंद्र और नरेश के शव प्रबंधक कक्ष में जबकि गोपेंद्र का शव निकट स्थित भारत पेट्रोलियम पंप के पास के पास पड़ा मिला। बताया जाता है कि गोपेंद्र घायल अवस्था में सीएनजी पंप से दौड़ कर भारत पेट्रोलियम पंप के पास पहुंच गया और वहां जाकर वह गिर गया, जिसके बाद पंप के कर्मचारियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने से पहले पंप के सभी सीसीटीवी कैमरों को बंद कर दिया।

पुलिस के अनुसार पंप पर गैस बिकने से जो पैसे इकट्ठे हुए थे, वह पंप की तिजोरी में मौजूद हैं इसलिए पुलिस इस घटना की हर कोण से जांच कर रही है। नरेश और गोपेंद्र अलीगढ़ बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी हैं और पिछले चार-पांच साल से यहां कार्य कर रहे थे। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है।

नाबालिग से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में संघर्ष

नोएडा। सिरौली बांगर गांव में नाबालिग से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों की तरफ से लाठी डंडे चले और पथराव हुआ जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक सिरौली बांगर गांव निवासी किसान की 15 वर्षीय पुत्री दुकान से सामान लेकर अपने घर जा रही थी।

आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही दो युवक विजय उर्फ मिर्चन और जोनी ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी।

विरोध करने पर आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए। ग्रामीणों को आता देखकर आरोपी फरार हो गए। नाबालिग के परिजनों ने आरोपियों के घरवालों से इसकी शिकायत की जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते लाठी डंडे लेकर दोनों पक्षों के लोग इकट्ठा हो गए और संघर्ष शुरू हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के छह से ज्यादा लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की गई। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर नामजद दो युवकों के खिलाफ छेड़छाड़ व पोस्को एक्ट में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। दूसरे पक्ष ने भी 16 नामजद और दो दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

शास्त्री पार्क वार्ड में कुलसुम शीरीन ने किया डोर टू डोर जनसंपर्क व संवाद

पूर्वी दिल्ली। गांधीनगर विधानसभा अंतर्गत शास्त्री पार्क वार्ड में आम आदमी पार्टी की ओर से कुलसुम शिरीन ने डोर टू डोर जाकर जनसंपर्क व संवाद किया।

अपने दर्जनों समर्थकों के साथ वार्ड के अनेक इलाकों में जनसंपर्क के दौरान कुलसुम शीरीन को एक तरफ जहां आम जनता का अपार समर्थन मिला वहीं लोगों ने खुलकर कहा कि इस बार एमसीडी चुनाव में भी हम केजरीवाल जी की पार्टी को वोट करेंगे।

इस अवसर पर जनसंवाद करते हुए आप नेता साबिर अली ने कहा कि दिल्ली की आम जनता ने विधानसभा चुनाव में केजरीवाल जी को वोट दिया तो आज दिल्ली की जनता को फ्री बिजली, पानी, बस यात्रा, तीर्थ यात्रा के साथ बेहतर स्कूल, अस्पताल और अधिक पेंशन के साथ बहुत सारी सुविधाएं मिल रही है।

अगर एमसीडी चुनाव में भी आम जनता केजरीवाल जी की पार्टी को जीत दिलाती है तो नगर निगम को भ्रष्टाचार मुक्त करके गंदे नाले व कचरा से हम दिल्ली को मुक्त कराकर बेहतर दिल्ली बनाएंगे। लोगों ने कुलसुम शीरीन द्वारा जनसुविधा केंद्र रूपी कार्यालय के माध्यम से की जारही सेवा और आम जन की समस्याओं के निदान की बड़ी तारीफ की और समर्थन का पूरा वादा किया।

सुपरटेक ट्विन टावर केस : 22 मई तक गिरा दिए जाएंगे टावर

क्या था मामला?

सुप्रीम कोर्ट ने चार अक्टूबर 2021 को सुपरटेक लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतरने के कारण इमारतों को ध्वस्त करने के अपने पूर्व के निर्देश में संशोधन करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 31 अगस्त, 2021 के अपने फैसले में अवैध इमारतों को तोड़ने के साथ ही फ्लैट खरीदारों को उनकी पूरी रकम लौटाने करने का भी निर्देश दिया था। कोर्ट ने नोएडा के टी-16 (एपेक्स) और टी-17 (सेयेन) ट्विन टावर्स के निर्माण में नोएडा प्राधिकरण और रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक के अधिकारियों की नापाक मिलीभगत के लिए उन पर मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया था।

नई दिल्ली। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सुपरटेक के एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट में 40 मंजिला ट्विन टावरों को गिराने का काम शुरू हो गया है और 22 मई तक तोड़फोड़ का काम पूरा कर लिया जाएगा।

जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच को यह भी सूचित किया गया कि मैसर्स एडिफिस द्वारा 22 अगस्त तक पूरे मलबे को साइट से हटा दिया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ वकील रवींद्र कुमार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 7 फरवरी के कोर्ट के आदेश के अनुसार, 9 फरवरी को सभी हितधारकों की एक बैठक आयोजित की गई थी, जहां यह निर्णय लिया गया था कि 20 फरवरी तक मैसर्स एडिफिस (विध्वंस कार्य करने के लिए चुनी गई फर्म) मजदूर, सामग्री और मशीनें साइट पर जुटाएगी और नोएडा प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित योजना के अनुसार सभी गतिविधियों को शुरू और पूरा करेगा।

22 मई को या उससे पहले ट्विन टावरों को ध्वस्त कर दिया जाएगा और केवल अप्रत्याशित घटनाओं की स्थिति में तिथियों को बदला जा सकता है, लेकिन यह अदालत की पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के बाद किया जाएगा, सुप्रीम कोर्ट को आगे सूचित किया गया।

वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन किया जा रहा है और काम से संबंधित तस्वीरें स्टेटस रिपोर्ट के साथ संलग्न की गई हैं।

बेंच ने अपने आदेश में कहा कि अदालत को इस तथ्य से अवगत कराया गया है कि साइट पर तोड़फोड़ शुरू हो गई है।

नोएडा प्राधिकरण और सुपरटेक के साथ-साथ अन्य अधिकारियों सहित सभी संबंधित हितधारक काम समय पर पूरा होने के लिए स्टेटस रिपोर्ट में इंगित समय सारिणी का सख्ती से पालन करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण से अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट की मांग करते हुए मामले को 17 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 7 फरवरी को नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को दो सप्ताह के भीतर नोएडा में सुपरटेक के ट्विन टावरों को ध्वस्त करने का काम शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा था।

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए श्रवण की महत्ता को समझें

विश्व श्रवण दिवस पर इस्कॉन द्वारका में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। 3 मार्च बृहस्पतिवार को 'वर्ल्ड हियरिंग डे' (विश्व श्रवण दिवस) के अवसर पर श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश मंदिर इस्कॉन द्वारका में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रैंपो हियरिंग क्लीनिक व विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से शिविर में उन लोगों को लाभ मिलेगा जो अत्यधिक शोर प्रदान करने वाली सेवाओं से जुड़े होते हैं जैसे-- ट्रेफिक पुलिसकर्मी व अन्य पुलिसकर्मी जो खासतौर से सुरक्षा सेवा में तैनात रहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इन लोगों को नियमित जाँच की आवश्यकता होती है।

शिविर जाँच का संपूर्ण कार्य रैंपो हियरिंग क्लीनिक के निदेशक डॉ. राम. पी. कुमार के नेतृत्व में किया जाएगा। शिविर में स्वास्थ्य मूल्यांकन व श्रवण परीक्षण के लिए विशेष उपकरणों के साथ डॉक्टरों की पूरी टीम उपस्थित रहेगी। उपकरणों में हियरिंग चेक, बाहरी कान की वीडियो ऑटोस्कोपिक परीक्षा व शोर क्षेत्र में काम करने वाले रोगियों के लिए ईयर प्लग आदि की सुविधा रहेगी।

इसके अतिरिक्त स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए श्रवण की महत्ता के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। आजकल जिस तरह से व्यापक स्तर पर शोर प्रदान करने वाले आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल बहुतायत स्तर पर हो रहा है। ऐसे में इस बार विश्व श्रवण दिवस की थीम पर इसी पर केंद्रित है कि लोग सुनने की महत्ता को समझें। सामुदायिक स्तर पर भी कार्यों के बेहतर निष्पादन और पेशेवर वातावरण प्रदान करने के लिए शैक्षिक जागरूकता जरूरी है।

प्रेम प्रसंग में हुई थी चालक की हत्या

ग्रेटर नोएडा। मुर्शदपुर गांव से एक सप्ताह पूर्व लापता हुए स्कूल वैन चालक धर्मपाल की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए मुख्य आरोपी की प्रेमिका से धर्मपाल की निकटता थी जिसके चलते उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। ग्रेटर नोएडा के मुर्शदपुर गांव का रहने वाला 32 वर्षीय धर्मपाल परिवार के साथ रहता था। वह स्कूल की वैन चलाता था। परिजनों ने बताया कि 17 फरवरी को धर्मपाल संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों ने उसे इधर-उधर तलाश किया लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इस पर 21 फरवरी को धर्मपाल के भाई ओमप्रकाश ने सेक्टर इकोटेक वन थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। इसके बाद भी धर्मपाल का कोई सुराग नहीं लगा।

इकोलॉजिकल पार्क की मदद से साफ होगी यमुना

नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली में शुरू होगा पायलेट पॉजेक्ट

नई दिल्ली। यमुना में बढ़ती गंदगी को रोकने के लिए इकोलॉजिकल पार्क विकसित किए जाएंगे। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उत्तर-पश्चिमी जिला प्रशासन यमुना मिशन के साथ मिलकर करीब आधा किलोमीटर क्षेत्र में यमुना की सफाई की योजना तैयार कर रहा है। इस योजना की तहत यमुना में सीधे गिरने वाले गंदे नाले से पहले छोटी-छोटी नालियां बनाकर जल के प्रवाह को कम किया जाएगा। इसके साथ ही इन नालियों के किनारे-किनारे पौधे भी लगाए जाएंगे। इस प्रक्रिया के तहत जहां गंदा पानी छनकर यमुना में जाएगी। वहीं क्षेत्र का वातावरण भी शुद्ध होगा। साथ ही पौधों के कारण हरियाली भी बढ़ेगी।

इस मिशन से जुड़े प्रदीप बंसल का कहना है कि इससे पहले मथुरा में इसी प्रोजेक्ट के तहत यमुना के 15 किलोमीटर बाढ़ क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में करीब 1 लाख पौधे लगाए गए थे, जो सात साल में पेड़ बन गए। इस प्रक्रिया से एक तरफ जहां यमुना के अंदर रोजाना 2 करोड़ लीटर पानी छनकर जा रही है। वहीं क्षेत्र के वातावरण को शुद्ध रखने में भी ये पेड़ साथ दे रहे हैं। ठीक उसी तरह दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी जिले से इसकी शुरूआत करेंगे। इसके लिए उत्तर-पश्चिमी जिला अधिकारी से बात भी चल रही है। बता दें कि दिल्ली के छह बड़े नाले और 200 से अधिक छोटे-छोटे नालों से रोजोना लाखों लीटर गंदा पानी यमुना को मैली कर रही है।

गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह चुके हैं कि 2025 तक यमुना की सफाई कर दी जाएगी। उन्होंने नाले की सफाई को लेकर बताया था कि ओखला, रिठाला समेत कई जगहों पर नए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बन रहे हैं। इसके अलावा जो पहले से बनी प्लांट है वह पुराने हिसाब से चल रहे हैं।

इसलिए उनकी टेक्नोलॉजी बदल रहे हैं ताकि पानी सीवर का साफ होकर निकले। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि दिल्ली में कई सारे गंदे नाले बह रहे हैं। इसलिए अलग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर उन पानी की सफाई करेंगे और कुछ नालों को डायवर्ट किया जाएगा।

नजफगढ़ ड्रेन, गाजीपुर ड्रेन की सफाई का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि गंदगी को लेकर इंडस्ट्री पर नकेल कसी जाएगी।

कोरोना संक्रमित 45 नए मरीज, 40 स्वस्थ हुए

नोएडा। कोरोना संक्रमित 45 नए मरीजों की पुष्टि सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने की। कोविड अस्पतालों और होम आइसोलेशन से 40 मरीज स्वस्थ हुए। अब स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 97295 हो गई है। कोविड अस्पताल और होम आइसोलेशन में अभी भी 276 मरीजों का इलाज चल रहा है। पिछले पांच दिनों से कोरोना संक्रमित एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। दो सालों में कोरोना संक्रमित 290 लोगों की मौत इलाज के दौरान हुई है। प्रतिदिन 2000 से ज्यादा कोरोना संदिग्धों की जांच की जा रही है। संक्रमण दर एक से भी कम हो गई है। संदिग्ध मरीजों की संख्या भी काफी कम हो गई है।

आज कीर्ति नगर में एन 100 मेन मार्केट कीर्ति नगर के सड़क का नामकरण स्वर्गीय श्री मनोहर लाल कुमार जी के नाम पर किया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक माननीय कुलभूषण आहूजा जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ भाजपा जिला करोल बाग अध्यक्ष श्री राजेश गोयल क्षेत्रीय निगम पार्षद श्री विपिन मल्होत्रा पूर्व विधायक श्री सुभाष सचदेवा पूर्व जिला अध्यक्ष श्री भारत भूषण का सानिध्य भी प्राप्त हुआ।

कैट ने एकीकृत साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी की मांग की

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल को आज भेजे गए एक पत्र में, कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जल्द ई-कॉमर्स नीति को लागू करने और एक एकीकृत साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी के गठन के लिए मजबूती से आग्रह किया है। नई दिल्ली में हाल ही में संपन्न दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ ट्रेड लीडर्स की बैठक में 152 शीर्ष व्यापारी नेताओं ने भाग लिया, और प्रत्येक ने विभिन्न विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों के निरंतर कदाचार और कानूनों और नियमों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पिछले दो वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर श्री गोयल द्वारा लगातार दी गई कई चेतावनियों के बावजूद भारतीय ई कॉमर्स बाज़ार को इन विदेशी कंपनियों ने पुरी तरह नष्ट कर दिया है। व्यापार और सेवाओं के क्षेत्र में ई-कॉमर्स कंपनियों के मनमाने रवैये से व्यथित, हो कर इस सम्मेलन में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें श्री गोयल से एक मजबूत ई-कॉमर्स नीति और एक एकीकृत साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी को लागू करने का आह्वान किया गया। कैट ने एक समान पत्र श्री अश्विनी वैष्णव,केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री को भी भेजा है।

सम्मेलन में ये भी प्रस्ताव पारित हुआ कि इंटरनेट और प्रौद्योगिकी ने लोगों के दैनिक आधार पर काम करने और बातचीत करने के तरीके में क्रांति ला दी है। इसने पारंपरिक व्यवसायों को प्रोत्साहन दिया है, नए व्यवसायों और नई व्यावसायिक प्रथाओं का जन्म हुआ है, और सूचना को सभी के लिए सुलभ बनाकर नागरिकों को सशक्त बनाया जा रहा है। इंटरनेट की पहुंच में वृद्धि और समाज के सभी स्तरों पर प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ-साथ क्षेत्रों में तेजी से डिजिटलीकरण ने समाज और अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया है और नए और अप्रत्याशित मुद्दों और चुनौतियों को भी जन्म दिया है। इसलिए, इन उभरते और अप्रत्याशित मुद्दों का निवारण महत्वपूर्ण हो जाता है और इसके लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था के विभिन्न तत्वों की सूक्ष्म समझ और तकनीकी मूल्यांकन की आवश्यकता होती है, जिसमें डेटा, उपभोक्ता व्यवहार, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां आदि शामिल हैं, जो सभी के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में काम करते हैं। इस संबंध में, यह अनिवार्य हो जाता है कि डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के नियमन के लिए एक सुव्यवस्थित और समग्र दृष्टिकोण को उच्चतम स्तर पर अपनाया जाए जो प्रौद्योगिकी के विकास, उपयोग और अपनाने से संबंधित क्रॉस-सेक्टरल प्रभावों के साथ क्रॉस-कटिंग मुद्दों को संबोधित करने में मदद करे।

प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि वर्तमान में, भारत के पास सभी क्षेत्रों मे विरासत में मिली एक रेगुलेटरी अथॉरिटी है, जो कि समय समय पर परिवर्तित होते हुए वर्तमान चिंताओं को दूर करने के लिए विकसित हुई है। इससे उभरती प्रौद्योगिकियों, उत्पादों, सेवाओं, ऑनलाइन व्यवहार, व्यापार मॉडल और प्रथाओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से रेगुलेटरी ऑथोरिटी से बाहर हो गए है जिससे क्रॉस-कटिंग और अन्य मुद्दे किसी भी नियामक से बाहर हो गए है। ये दोनों उदाहरण भी नियामकों के बीच संघर्ष का मूल कारण रहे हैं और इससे बाजार में अनिश्चितता पैदा हुई है जिसने नवाचार और विकास को बाधित किया है। इस खंडित दृष्टिकोण ने डिजिटल इकोसिस्टम तंत्र में किसी भी उत्पाद, सेवा, व्यवसाय मॉडल और/या व्यावसायिक अभ्यास से जुड़े जोखिमों को पूरी तरह से और समग्र रूप से पकड़ने की सरकार की क्षमता को भी बाधित किया है । इसके अलावा, विभिन्न समकालीन विधानों और नीतियों में भी संकीर्ण रूप से तैयार किए गए नियामकों की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इनमें से सभी एक समग्र और प्रभावी तरीके से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की तेजी से विकसित चुनौतियों और जरूरतों का जवाब देने के लिए सरकार की क्षमता को संचयी रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रस्ताव में यह संकल्प भी लिया गया था कि , इन चुनौतियों को कम करने के लिए, और इंटरनेट और टेक्नोलॉजी को गतिशील और प्रभावी बनाने के लिए एक बहुआयामी, विशिष्ट, समर्पित और जिम्मेदार रेगुलेटरी अथॉरिटी की जरूरत है। इस संबंध में, एक ऐसे एकीकृत साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी की जरूरत है, जो डेटा, विकास, उपयोग और प्रौद्योगिकी को अपनाने, उपभोक्ता कल्याण, ऑनलाइन व्यवहार आदि जैसे क्षेत्रों को समन्वित कर सके। इस तरह के एक रेगुलेटरी अथॉरिटी को एक विशिष्ट और उत्तरदायी जांच और न्यायसंगत तंत्र द्वारा संचालित किया जाना चाहिए।

सम्मेलन में लिया गया संकल्प भी इसी तरह के एकीकृत रेगुलेटर को संदर्भित करता है जिसे 2013 में वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग द्वारा भारत में वित्तीय क्षेत्र के लिए प्रस्तावित किया गया था। फ्रेंच डिजिटल काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम का सेंटर फॉर डेटा एथिक्स एंड इनोवेशन; और सिंगापुर की सूचना-संचार मीडिया विकास प्राधिकरण, डिजिटल इकोसिस्टम के लिए सही रिफरेन्स है।

इसलिए, व्यापार जगत के नेताओं के इस सम्मेलन ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से एक मजबूत और अच्छी तरह से परिभाषित ई-कॉमर्स नीति और एक एकीकृत और अधिकार प्राप्त साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी के गठन का आग्रह किया है, ताकि ई-कॉमर्स व्यापार को विनियमित और मॉनिटर किया जा सके।

सम्मेलन ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के साथ भी इस मुद्दे को उठाने का निर्णय लिया।

व्यापार और सेवाओं के क्षेत्र में ई-कॉमर्स कंपनियों के मनमाने रवैये से व्यथित, हो कर इस सम्मेलन में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें श्री गोयल से एक मजबूत ई-कॉमर्स नीति और एक एकीकृत साइबर रेगुलेटरी अथॉरिटी को लागू करने का आह्वान किया गया।

संपादकीय

यूक्रेन पर हमले के विरूद्ध रूस में भी शुरू हुए प्रदर्शन

यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस की विश्व में आलोचना हो रही है। जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं ।कहा जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अपने अहम के लिए दुनिया को युद्ध में धकेल दिया ।यह भी खबर है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन हर हालात में यूक्रेन पर कब्जा चाहतें हैं। इसके लिए वह अपने 50 हजार सैनिक की बलि देने के लिए भी तैयार हैं। ऐसे हालात में रूस से ही अच्छी खबर आई है। वहां के नागरिक युद्ध का विरोधकर रहे हैं। यह कार्य रूस के साथ -साथ पूरी दुनिया में होना चाहिए। जनता को युद्ध का विरोध करना चाहिए।

यूक्रेन पर हमले के विरोध में रूस में लोगों का युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। रूस की राजधानी मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग और अन्य शहरों में शनिवार को लोग सड़क पर उतर आए और नारेबाजी की। पुलिस ने 460 लोगों को हिरासत में लिया गया। इसमें मॉस्को के 200 से अधिक लोग शामिल हैं।

रूस में यूक्रेन पर हमले की निंदा करने वाले ओपन लेटर भी जारी किए गए। इसमें 6,000 से अधिक मेडिकल स्टाफ, 3400 से अधिक इंजीनियरों और 500 टीचर्स ने साइन किए हैं। इसके अलावा पत्रकारों, लोकल बॉडी मेंबर्स और सेलिब्रिटिज ने भी ऐसे ही पिटीशन पर साइन किए हैं। यूक्रेन पर हमले को रोकने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन पिटीशन शुरू की गई। इस पर शनिवार शाम तक 7,80,000 से अधिक लोगों ने साइन कर दिए हैं। माना जा रहा है कि यह बीते कुछ सालों में रूस में सबसे अधिक समर्थित ऑनलाइन याचिकाओं में से एक है।

रूस के अलावा जापान, हंगरी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में लोग यूक्रेन पर हमले की कड़ी निंदा कर रहे हैं। लोग %युद्ध नहीं चाहिए% के नारे लिखे पोस्टर लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस युद्ध को रोकने की मांग कर रहे हैं। रूसी पुलिस ने दर्जनों शहरों में युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले 1,700 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ये भी सूचना है कि रूस की कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद युद्ध के खिलाफ हैं ।कम्युनिस्ट पार्टी के दो सांसदों ने भी यूक्रेन पर हमले की निंदा की है। यह वही सांसद हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले पूर्वी यूक्रेन में दो अलगावादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के लिए मतदान किया था। सांसद ओलेग स्मोलिन ने कहा कि जब हमला शुरू हुआ तो वह हैरान थे, क्योंकि राजनीति में सैन्य बल का इस्तेमाल अंतिम उपाय के रूप में किया जाना चाहिए। दूसरे सांसद मिखाइल मतवेव ने कहा कि युद्ध को तुरंत रोक दिया जाना चाहिए। उधर यूक्रेन से आ रही खबर अच्छी नहीं हैं। रूसी सेना सैनिक प्रतिष्ठान के अलावा सिविलियन पर भी हमले कर रही है। शहरों में घुसे रूसी सैनिक लूटपाट कर रहे हैं। खार्किव शहर पर कब्जा करने के बाद रूसी सैनिकों ने एक बैंक लूट लिया ।एटीएम लूटे जा रहे हैं ।सैनिक एक डिपार्टमेंटल स्टोर में घुसकर सामान भी उठाते नजर आए ।यूक्रेन का दावा है कि अब तक रूसी हमले में 198 लोगों की जान जा चुकी है। इसमें 33 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा 1,115 लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेन के हालत दिन पर दिन खराब हो रहे हैं। खाने- पीने का सामान कम पड़ गया है। रूसी हमले के बाद कीव, खार्किव, मेलिटोपोल जैसे बड़े शहरों में हर जगह तबाही दीख रही है। मिसाइल हमलों से इमारतें बर्बाद हो गई हैं। लोग खाने -पीने के सामान को तरस रहे हैं। कई जगह बच्चों से लेकर बड़े भी डर और दहशत की वजह से रोते देखे जा सकते हैं। लाखों लोग अपना शहर, देश छोड़कर बाहर जा रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने और अपने परिवार की चिंता है। वह जल्दी से जल्दी सुरक्षित स्थान पर पंहुच जाना चाहतें हैं।

हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक बनती है कांवड़ यात्रा

जब शिवरात्रि आती है तो अनेक शिव भक्त कांवड़ लाने के लिए जाते हैं। जिन रास्तों से कांवड़िए टोली की टोली बनाकर निकलते हैं, ऐसा लगता मानो स्वयं भोले बाबा और उनके सभी गण कैलाश पर्वत से उन रास्तों पर उतर आए हों। रास्तों पर कांवड़िए बम-भोले, बम-भोले की जय-जय कार करते हुए नाचते गाते चलते हैं। कांवड़िए शिव भक्ति में ऐसे लीन रहते की उन्हें किसी भी दर्द का अनुभव नहीं होता परन्तु बहुत से कांवड़ियों के पैरों में छाले पड जाते हैं और कुछ के पैरों में सूजन आ जाती हैं तथा कुछ की टांगे बहुत दर्द करती हैं इसलिए इनके विश्राम के लिए कदम कदम पर स्थानीय लोगों द्वारा विश्राम गृह की व्यवस्था की जाती है। जहां पर कांवड़ियों के लिए उचित जल-पान की व्यवस्था की जाती है। कांवड़ियों के पैरों को लोग अपने हाथों द्वारा गर्म पानी से धोते है ताकि उनके दर्द भरे पैरों को आराम मिल सके और उनके पैरो को धीरे-धीरे हाथों से दबाया जाता है। भोजन में विभिन्न प्रकार के फल, मेवा, मिठाईयां और अन्य भोज्य पदार्थों की व्यवस्था करते हैं। कांवड़ियों के सोने के लिए भी उचित व्यवस्था करते हैं। लेकिन सभी को अधिकतर यही पता है कि हिन्दू ही कांवड़ियों की सेवा करते हैं परन्तु ऐसा नहीं है कि केवल हिन्दू ही कांवड़ियों की सेवा करते हैं बल्कि बहुत से मुस्लिम भी उन रास्तों पर जिन रास्तों से कांवड़िए गुजरते हैं जगह जगह विश्राम गृह बनाकर कांवड़ियों के जल पान और विश्राम की व्यवस्था करते हैं। हिन्दूओं की तरह ही पूरे श्रद्धा भाव से उनके पैर गर्म पानी से अपने हाथों द्वारा मलमलकर धोते हैं और पैरों को भी धीरे-धीरे दबाते हैं ताकि कांवड़ियों को आराम मिले। वह भी फल, मेवा, मिठाईयां और उचित भोजन की सुन्दर व्यवस्था करते हैं। सच मानिए जब ऐसा होता है तब हिन्दू मुस्लिम एकता का ऐसा संदेश दुनिया के सामने आता है कि जिसका मैं वर्णन नहीं कर सकता। ऐसे लोग दुनिया के सामने ये सिद्ध कर देते हैं कि सबका मालिक एक है। भगवान और अल्लाह उसी मालिक के विभिन्न रुपों में से दो रूप हैं जिन्हें उस मालिक ने नहीं बल्कि मानव ने बनाया है। इसलिए हमें जातियों में न बटकर सिर्फ मानवता के गुण को अपनाना चाहिए। सभी सिर्फ मनुष्य है जिनका रुप रंग और वेशभूषा अलग है परन्तु आत्मा और खून समान है। सभी के खून का रंग लाल ही है। धन्य है वो कांवड़िए जो मुस्लिमों के सेवा भाव के प्रस्ताव को स्वीकार कर उन्हें सेवा का मौका देते हैं और उनसे भी अधिक धन्य हैं वो मुस्लिम जो कांवड़ियों की सेवा कर हिंदू मुस्लिम में भाईचारा, प्रेम और शांति कायम करने में सहायता करतें हैं। साथ ही उन लोगों को सखूत संदेश देते हैं जो समाज में नफ़रत फैलाने में लगे हुए हैं कि तुम कितनी भी कोशिश कर लो लेकिन हिंदू मुस्लिम भाईचारे को कभी खत्म नहीं कर सकते हो। कांवड़ यात्रा के समय ऐसे दृश्यों को देखकर सभी के मन में भाईचारे की भावना हिलोरें मारने लगती है और ऐसी प्रेरणा का जन्म होता है जिसे हिंदू और मुस्लिम एक दूसरे की मदद के लिए आगे आने लगते हैं। यही से समाज में फैली नफ़रत का कांटों से भरा पेड़ सुखने लगता है और भाईचारे का सुन्दर रंग बिरंगी फूलों से भरा पेड़ बहुत तेजी से पनपने लगता है।

लेखक
नितिन राघव
गांव- सलगवां
बुलंदशहर
उत्तर प्रदेश
मोबाइल-7452090851

महाशिवरात्रि- 1 मार्च 2022 पर विशेष

विश्व में शांति एवं सहजीवन के प्रेरक हैं शिव

ललित गर्ग

भगवान शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था, वे आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। उनके जन्मोत्सव को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अत: यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निर्माता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। शिव सभी देवताओं में वे सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दु:खों को हरने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि को असंख्य श्रद्धालु शिव की भक्ति में मग्न होकर शिवत्व का जन्म दिवस मनाते हैं। यह शिव से मिलन की रात्रि का सुअवसर है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है। इससे हमारी चेतना जाग्रत होती है, जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

भौतिक एवं भोगवादी भागदौड़ की दुनिया में शिवरात्रि का पर्व भी दु:खों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक है। भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं।

भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दु:ख और द्र का अर्थ हरना-हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दु:ख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा एवं अभिषेक करने पर उपासक को समस्त तीर्थों के स्नान का फल प्राप्त होता है। शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिवरात्रि की पूजा रात्रि के चारों प्रहर में करनी चाहिए। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है। शिव की रात शरीर, मन और वाणी को विश्राम प्रदान करती है। लौकिक जगत में लिंग का सामान्य अर्थ चिह्न होता है जिससे पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग की पहचान होती है। शिव लिंग लौकिक के परे है। इस कारण एक लिंगी है। आत्मा है। शिव संहारक हैं। वे पापों के संहारक हैं। शिव की गोद में पहुंचकर हर व्यक्ति भय-ताप से मुक्त हो जाता है।

शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का मंगलकारी शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का दुर्लभ प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वत: सत्य हैं। सभी शिवमय हैं।

शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

शिव ने जीवन को नई और परिपूर्ण शैली दी। पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति की जीवन में आवश्यकता और उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया। कला, साहित्य, शिल्प, मनोविज्ञान, विज्ञान, पराविज्ञान और शिक्षा के साथ साधना के मानक निश्चित किए। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता सिखलाई। वे भारतीय जीवन-दर्शन के पुरोधा हैं।

आज चारों ओर युद्ध, अनैतिकता, आतंक, अराजकता और अनुशासनहीनता का बोलबाला है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र- हर कहीं दरारे ही दरारे हैं, हर कहीं टूटन एवं बिखराव है। मानवीय दृष्टि एवं जीवन मूल्य खोजने पर भी नहीं मिल रहे हैं। मनुष्य आकृति से मनुष्य रह गया है, उसकी प्रकृति तो राक्षसी हो चली है। मानवता क्षत-विक्षत होकर कराह रही है। यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहा युद्ध मानवता के विनाश की कहानी लिख रहा है, विश्वयुद्ध की संभावनाएं गहराती जा रही है। इन सबका कारण है कि हमने आत्म पक्ष को भुला दिया है।

इन विकट स्थितियों में महादेव ही हमें बचा सकते हैं, क्योंकि शिव ने जगत की रक्षा हेतु बार-बार और अनेक बार उपक्रम किये ।वस्तुत: अपने विरोधियों एवं शत्रुओं को मित्रवत बना लेना ही सच्ची शिव भक्ति है। जिन्हें समाज तिरस्कृत करता है उन्हें शिव गले लगाते हैं। तभी तो अछूत सर्प उनके गले का हार है, अधम रूपी भूत-पिशाच शिव के साथी एवं गण हैं। समाज जिनकी उपेक्षा करता है, शंकर उन्हें आमंत्रित करते हैं। शिव की बरात में आए नंग-धड़ंग, अंग-भंग, भूत-पिशाच इसी तथ्य को दृढ़ करते हैं। इस लिहाज से शिव सच्चे पतित पावन हैं। उनके इसी स्वभाव के कारण देवताओं के अलावा दानव भी शिव का आदर करते हैं। सचमुच ! धन्य है उनकी तितिक्षा, कष्ट-सहिष्णुता, दृढ़-संकल्पशक्ति, धैर्यशीलता, आत्मनिष्ठा और अखण्ड साधनाशीलता। भारतीय संस्कृति की भांति शिव परिवार में भी समन्वयकारी गुण दृष्टिगोचर होते हैं। वहां जन्मजात विरोधी स्वभाव के प्राणी भी शिव के प्रताप से परस्पर प्रेमपूर्वक निवास करते हैं।

शंकर का वाहन बैल है तो पार्वती का वाहन सिंह, गणेश का वाहन चूहा है तो शिव के गले का हार सर्प एवं कार्तिकेय का वाहन मयूर है। ये सभी परस्पर वैर भाव को छोड़कर सहयोग एवं सद्भाव से रहते हैं। शिव परिवार का यह आदर्श रूप प्रत्येक परिवार एवं समाज के लिए ग्राह्य है, विश्व में शांति एवं सहजीवन का प्रेरक है। आज समाज एवं राष्ट्र में ऐसे ही सद्भाव, सौहार्द एवं समन्वय की आवश्यकता है।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25, आई.पी. एक्सटेंशन,
पटपड़गंज, दिल्ली-92
मो. 9811051133

रूस, यूक्रेन युद्ध, रूस ने परमाणु सेटेलाइट को किया अलर्ट

(भारत की प्राथमिकता, शांति बहाली और यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालना)

संजीव ठाकुर, चिंतक ,लेखक,
रायपुर छत्तीसगढ़ ,9009 415 415,

यूक्रेन की न्यूज़ एजेंसी के अनुसार युद्ध के चौथे दिन यूक्रेन में रूसी सेना कीव के बाद अब दूसरे बड़े शहर खारकीव में भी प्रवेश कर चुकी है। खर्कीव, यूक्रेन का बड़ी आबादी वाला दूसरा शहर है ।वहां रूसी सैनिकों ने हमला तेज कर दिया है ।वहां मिसाइलों, हेलीकॉप्टर, तोपो,विमानों से हमले किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर इन हमलों से यूक्रेन के लगभग 350 निर्दोष नागरिक भी मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के उप रक्षा मंत्री के अनुसार यूक्रेन की सेना ने 4300 सैनिकों को भी मार गिराया है। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार रूसी सेनाओं ने कीव के बाद खरकीव में हमले में तेजी लाई है, वहां वर्तमान में कई भारतीय छात्र फंसे हुए हैं और वे लगातार अपनी रक्षा की भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। यूक्रेन सेना ने रूसी सैनिकों को रोकने के लिए बुका और इरविन शहरों के बीच आवागमन का बड़ा पुल बम से उड़ा दिया है ताकि रूसी सैनिक इन क्षेत्रों में ना घुस सके। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी ने संयुक्त राष्ट्र संघ से मार्मिक अपील की है कि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद से रूस के मतदान के अधिकार को छीन लेना चाहिए क्योंकि रूस यूक्रेन के नागरिकों पर लगातार हमले कर रहा एवं उन्हें मौत की नींद सुला रहा है। हालांकि बुका शहर में रूसी पैदल सैनिक प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं, इन परिस्थितियों में वहां हवाई तथा तोपों से हमले किए जा रहे हैं, जिसके परिणाम में निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर वेलेरी जलुजनी मैं फेसबुक के हवाले बताया यूक्रेन की वायु सेना ने बेलारूस से कीव शहर में छोड़े गए एक क्रूज मिसाइल को मार गिराया है। बेलारूस तथा रूस द्वारा यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का बड़ा उल्लंघन बताया है। पर भारत सरकार की चिंता यूक्रेन में फंसे लगभग 20 हजार छात्रों को निकालने की है। भारत सरकार लगातार शांति समझौते की अपील भी कर रहा है। भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत लगभग 1000 से अधिक छात्रों को सुरक्षित भारत पहुंचा भी दिया है। शेष फंसे हुए छात्रों को मालदवा एवं रूस के रास्ते भी निकालने का प्रयास शुरू कर दिया है। विदेश सचिव स्तर के अधिकारी हर्षवर्धन श्रींगला ने लगातार रूस और यूक्रेन के राजदुतों से मुलाकात कर वहां फंसे भारतीय नागरिकों में छात्रों को सुरक्षित निकासी के लिए रास्ता निकालने की बात कहीं है, और दोनों देश के राजदूतों ने छात्रों को निकालने के लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है। विदेश सचिव ने भारतीय छात्रों एवं नागरिकों को वहां से निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस सोसायटी तथा अन्य संगठनों से मदद भी मांगी है। भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता भारत के हर नागरिक की सुरक्षा ही है। उल्लेखनीय है कि युद्ध तेज होने स्थिति में और यूक्रेन के राष्ट्रपति द्वारा युद्ध के लिए अड़े रहने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने परमाणु विभाग तथा परमाणु सैटेलाइट को हाई अलर्ट में रहने के निर्देश भी दे दिए हैं इन परिस्थितियों में यदि रूस परमाणु बम का इस्तेमाल करता है तो न सिर्फ यूक्रेन बल्कि पोलैंड, बेलारूस, एवं रोमानिया एवं आसपास के अन्य यूरोपीय देश परमाणु बम की चपेट में आकर भारी जनहानि झेलने की स्थिति में आ जाएंगे। ऐसे में विश्व युद्ध की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने यूक्रेन को 350 अरब डॉलर भेजे हैं इसी तरह ब्रिटेन, फ्रांस ,जर्मनी, हंगरी एवं नैटो देशों ने भी आर्थिक सहायता के साथ-साथ सामरिक महत्व अस्त्र शस्त्र भेजना शुरू कर दिए हैं।

यही कुछ फर्क है!

जब नहीं था हमारे पास अलार्म,
स्वयं से याद रखते थे सारे काम,
ना था मोबाइल फोन और व्हाट्सएप,
मिलते थे अपनों से, सुबह, शाम !

अनजानो से हालचाल पूछते हैं फेसबुक पर,
नहीं पता क्या हो रहा है, स्वयं के घर,
अपनों के लिए बिल्कुल समय नहीं,
नई पीढ़ी में आया कैसा असर !

बारिश की बूंदे और ठंडी हवा को छोड़,
ना सूरज की किरणें ना ही भागदौड़,
प्रकृति को महसूस करने की क्षमता हो गई कम,
यह जीवन का हे कौन सा मोड़!

गर्मी में ए.सी, ठंड में हीटर,
गर्मी में फ्रिज तो ठंड में गीजर,
शारीरिक शक्ति हो गई कम,
ना चल पाए हम दो-चार किलोमीटर !

देखें पूरी दुनिया को यूट्यूब में,
पढ़ाई करें मोबाइल के ई बुक में,
आंखों में कमजोरपन, सर्वाइकल और डिप्रेशन,
शरीर से नहीं ताकतवर पर दिमाग खूब है!

मानसिक रूप से लेते जाए ज्ञान,
पर भूले ना शरीर का रखना ध्यान,
जीवन में लेकर आए संतुलन ,
ना होते जाए सत्य से अनजान !!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)
राजस्थान (रावतभाटा)

देश ने राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस मनाया

वैज्ञानिक यात्रा को समृद्ध बनाने, महत्वपूर्ण योगदान के लिए सभी वैज्ञानिकों को सैल्यूट

वैज्ञानिक दिवस 28 फ़रवरी को मनाने के साथ बच्चों, युवाओं में वैज्ञानिक स्वभाव जागृत करने की विशेष ज़रूरत- एड किशन भावनानी

गोंदिया- हर वर्ष 28 फ़रवरी को राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। अनेक स्थानों पर अनेक कार्यक्रम, वेबनार, डिबेट आयोजित होते हैं और वर्तमान हयात वैज्ञानिकों का सादर सत्कार, सेल्यूट के साथ उन वैज्ञानिकों को भी याद करके भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है जो अब हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उन्होंने हमारी वैज्ञानिक यात्रा को समृद्ध बनाया, हमें रास्ता दिखाया और वर्तमान माननीय वैज्ञानिक उस पथ पर चलकर आगे बढ़कर कार्यों में चार चांद लगा रहे हैं

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस हर साल 28 फ़रवरी को मनाने की करें तो आगे हर राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस पर बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक प्रभाव उत्पन्न करने और प्रोत्साहित करने का संकल्प लेना होगा, अब हम प्रौद्योगिकी, डिजिटल,वैज्ञानिक युग में पहुंचे हैं अब हमें इससे कहीं आगे जाना है, नए नए नवाचार,नवोन्मेष को लाना है, क्योंकि भारतीय बौद्धिक क्षमता की उपलब्धि की बात ही निराली है!!सारे विश्व की नजरें भारत पर लगी है कि कब और कैसे किसी नए अविष्कार का भारत से उदय हो!!!इसमें अचंभा नहीं है!! क्योंकि भारतीय बौद्धिक क्षमता का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है बड़े-बड़े पूर्ण विकसित देश आज भारतीयों को अपने प्रोजेक्ट में प्राथमिकता देने संलग्न हो रहे हैं जो हमारे लिए गौरव की बात है।

साथियों बात अगर हम वैज्ञानिक क्षेत्रों में तीव्रता और शिद्दत से आगे बढ़ने का जुनून धारण करने की करें तो हमें विज़न 2047 को एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो टारगेट से कहीं बहुत पहले और आगे बढ़कर सपनों को साकार करता हो!!!जिसके लिए हमें अभी बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक स्वभाव जागृत करने की ख़ास ज़रूरत है कि,कोई भी प्रक्रिया होगी तो उसके पीछे कौनसा वैज्ञानिक कारण है इसे सोचना है!!!आज हमारे पास कई वैज्ञानिक साधन हैं जैसे टीवी, फ्रिज, मोबाइल उनके अंदर निहित वैज्ञानिक स्वभाव हैं, वह हमें बच्चों और युवाओं को बताना होगा कि क्यों और कैसे यह काम कर रहे हैं!!! जिससे बच्चों, युवाओं के मस्तिष्क में एक वैज्ञानिक स्वभाव उत्पन्न होगा, जिससे उन्हें विज्ञान के प्रति रुचि कायम होगी!!और सवालों का जवाब प्राप्त करने नए-नए नवाचारों को जन्म देकर हर भारतीय बच्चा और युवावैज्ञानिक की प्रवृत्ति प्राप्त करने में सक्षम हो सकता है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा दिनांक 27 फरवरी 2022 को मन की बात में कहे विचारों की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा 28 फरवरी को राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस मनाया जाता है। ये दिन रमन इफेक्ट की खोज़ के लिए भी जाना जाता है। मैं सी.वी. रमन जी के साथ उन सभी वैज्ञानिकों को आदरपूर्वक श्रद्दांजलि देता हूँ, जिन्होंने हमारी वैज्ञानिक यात्रा को समृद्ध बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हमारे जीवन में सुगमता और सरलता में प्रौद्योगिकी ने काफी जगह बना ली है। कौन-सी प्रौद्योगिकी अच्छी है, किस प्रौद्योगिकी का बेहतर इस्तेमाल क्या है, इन सभी विषयों से हम भली-भांति परिचित होते ही हैं। लेकिन, ये भी सही है कि अपने परिवार के बच्चों को उस प्रौद्योगिकी का आधार क्या है, उसके पीछे की विज्ञान क्या है, इस तरफ हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। इस विज्ञान दिवस पर मेरा सभी परिवारों से आग्रह है कि वो अपने बच्चों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने के लिए ज़रुर छोटे-छोटे प्रयासों से शुरू कर सकते हैं अब जैसे दिखता नहीं है चश्मा लगाने के बाद साफ़ दिखने लगता है तो बच्चों को आसानी से समझाया सकता है कि इसके पीछे विज्ञान क्या है। सिर्फ चश्मे देखें, आनंद करें, इतना नहीं। अभी आराम से आप एक छोटे से कागज़ पर उसे बता सकते हैं।

अब वो मोबाइल फोन उपयोग करता है, कैलकुलेटर कैसे काम करता है, रिमोट कंट्रोलकैसे काम करता है, सेंसर क्या होते हैं ? ये वैज्ञानिक बातें इसके साथ-साथ घर में चर्चा में होती है क्या ?

हो सकती है बड़े आराम से हम इन चीज़ों को घर की रोजमर्रा की ज़िन्दगी के पीछे क्या साइंस की वो कौन सी बात है जो ये कर रही है, इसको, समझा सकते हैं। उसी प्रकार से क्या कभी हमने बच्चों को लेकर के भी आसमान में एक साथ देखा है क्या ? रात में तारों के बारे में भी जरुर बातें हुई हों।

विभिन्न तरह के कंस्टेलेशनस दिखाई देते हैं, उनके बारे में बताएं। ऐसा करके आप बच्चों में फिजिक्स और एस्ट्रोनॉमी के प्रति नया रुझान पैदा कर सकते हैं। आज कल तो बहुत सारी ऐप्स भी हैं जिससे आप तारों और ग्रहों को लोकेट कर सकते है, या, जो तारा आसमान में दिख रहा है उसको पहचान सकते हैं, उसके बारे में जान भी सकते हैं। मैं, अपने स्टार्टअपस को भी कहूँगा कि आप अपने कौशल और साइंटिफिक कैरेक्टर का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यों में भी करें। ये देश के प्रति हमारी कलेक्टिव साईंटिफिक रिस्पांसिबिलिटी भी है।

उन्होंने कहा जैसे आजकल मैं देख रहा हूँ कि हमारे स्टार्टअप्स वर्चुअल रिएलिटी की दुनिया में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। वर्चुअल क्लासेस के इस दौर में ऐसे ही एक वर्चुअल लैब बच्चों को ध्यान में रखते हुए बनाई जा सकती है। हम वर्चुअल रियलिटी के द्वारा बच्चों को घर में बैठे केमिस्ट्री की लैब का अनुभव भी करा सकते हैं।

चली है फिर से बात

डीजल और पेट्रोल की ।
चली है फिर से बात ।।
मिलने वाली शायद ।
आगे कुछ सौगात ।।
राजनीति तो है होनी ।
बात ये कमाल ।।
बच न सकेगा कोई ।
इससे तो हर हाल ।।
कदमताल तो हो रही ।
है खिलाना गुल ?
रास्ता है साफ़ ।
उड़ रही पर धूल ।।
जैसे-तैसे शायद ।
समय रहा निकल ।।
देखते आगामी ।
है कैसा अब हल ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

एसएसपी के घर के बाहर जमकर हंगामा

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के घर के बाहर सोमवार को एक वृद्ध का शव रखकर परिजनों ने रिपोर्ट न लिखे जाने पर नाराजगी दिखाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों ने सदर बाजार थाना पुलिस पर रिपोर्ट न लिखने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सदर बाजार क्षेत्र में मकान खाली कराने के लिए बुजुर्ग का एक्सीडेंट कराने के बाद मारपीट की गयी और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक का पुत्र और पुत्रवधु पुलिस विभाग में बताए जा रहे हैं। लालता प्रसाद कम्पाउंड सदर बाजार निवासी महिला कांस्टेबल प्रमिला रायकवार ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि उसके ससुर 26 फरवरी को भट्टा गांव मकान पर थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि उनके सदर बाजार के मकान पर दबंगों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी है। इस पर ससुर सोहनलाल परिवार वालों के साथ वहां जाने को निकले। उन्हें अपने रास्ते से हटाने के लिए रास्ते मे दबंगों ने उनकी गाड़ी में टक्कर मारकर रोकने का प्रयास किया। इसके बावजूद जब वह मौके पर जा पहुंचे तो कब्जा करने वालों ने एक राय होकर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिससे उसके ससुर और सास गम्भीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए मेडिकल ले जाया गया। वहां से उन्हें गंभीर हालत के चलते ग्वालियर रिफर कर दिया गया। ग्वालियर में उनकी मौत हो गयी। परिजनों ने आरोप लगाया कि सदर बाजार पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी। इससे नाराज परिजनों ने एसएसपी आवास के बाहर लाश रखकर हंगामा किया। सूचना पर सीओ सिटी डॉ. प्रदीप कुमार, नगर मजिस्ट्रेट, एलआईयू प्रभारी सहित कई थानों का फोर्स पहुंच गया। काफी देर तक परिजनों को समझाने की कोशिश चलती रही। बताया गया कि मृतक का पुत्र रजत भी आगरा में पुलिस में तैनात है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के मऊरानीपुर थानाक्षेत्र में सोमवार को एक पिकअप की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि आज दोपहर मऊरानीपुर टीकमगढ़ मार्ग पर खदियन चौराहे से ठीक पहले हुई इस दुर्घटना में रामचरण (37) और गोविंद (42) की मौत हो गयी। राहगीरों ने बताया कि मऊरानीपुर टीकमगढ़ मार्ग पर खदियन चौराहे से ठीक पहले छतरपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप का टायर अचानक फट गया। जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और मऊरानीपुर से रौनी तिगैला की ओर जा रही मोटरसाइकिल उसकी चपेट में आ गई। घटना में बाइक सवार रामचरण पुत्र घसीटे कुशवाहा निवासी रोनी,व गोविंद पुत्र वृंदावन निवासी हीरापुर थाना मऊरानीपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों द्वारा आनन-फानन में दोनों को 108 की मदद से मऊरानीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव और पिकअप को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

मालगाड़ी से टकराकर 5 गोवंशीय पशुओं की मौत, पौन घंटे ठप रहा बरेली-लखनऊ रूट

बरेली। बरेली-लखनऊ रेल रूट पर गोवंशीय पशुओं के झुंड ट्रेन संचालन में बड़ी बाधा बनने लगे हैं। आए दिन बड़ी संख्या में गोवंशीय पशु ट्रेनों से टकराकर रेल संचालन में बाधा बनते हैं। सोमवार की भोर में तीन बजे के करीब मीरानपुर कटरा स्टेशन के पास हादसा हुआ। गोवंशीय पशुओं का झुंड मालगाड़ी से टकरा गया। इसमें पांच गोवंशीय पशुओं की मौत हो गई। इस वजह से करीब पौन घंटे तक लखनऊ रूट की गाड़ियों का संचालन प्रभावित रहा। आरपीएफ़ के मुताबिक, सोमवार की भोर में तीन बजे रेल कंट्रोल को मालगाडी के लोको पायलट ने सूचना दी, मीरानपुर कटरा रेलवे स्टेशन के पास आउटर पर गोवंशीय पशुओं का झुंड मालगाड़ी से टकराया है। इसमें कई गोवंशीय पशु कट गए। मारे गए गोवंशीय पशुओं के अवशेष इंजन के नीचे फ़ंसने से ट्रेन संचालन आगे नहीं बढ़ रही थी। सूचना पर रात में ही मीरानपुर कटरा और तिलहर से रेल कर्मचारी मौके पर पहुंचे। वहां रेल ट्रैक पर पांच गोवंशीय पशु मृत पड़े थे। कर्मचारियों ने उनको वहां के हटाया। पौन घंटे के बाद ट्रेन संचालन शुरू हुआ। गाड़ियों को भी कुछ देर के लिए पि ?तांबरपुर, रसुइया, टिसुआ के बीच रोका गया।

पुलिस आवास निगम के अधिशासी अभियंता पर मुकदमा, लाखों के गबन का मामला

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड कोतवाली में पुलिस आवास निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता के खिलाफ 26 लाख रुपये का गबन करने का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि प्रयागराज में सीआरपीएफ की 233वीं महिला पीएफ हट के निर्माण के दौरान यह धांधली की गई थी। यूपी पुलिस आवास निगम के प्रशासनिक अधिकारी मनोज शर्मा के मुताबिक हाईकोर्ट की सुरक्षा के लिए प्रयागराज में सीआरपीएफ 233वीं वाहिनी के लिए निर्माण कार्य होना था। 4 जून 2019 में दो करोड़ 55 लाख रुपये आवंटित हुए थे। जिसमें 21 मार्च 2020 को संशोधन कर तीन करोड़ 34 लाख रुपये का बजट बना था। निर्माण कार्य से संबंधित इकाई ने लगात का आंकलन करने पर अनियमित्ता पाई थी। जिसके बाद जांच शुरू हुई थी। परिजयोजना प्रबंधक उमेश प्रताप सिंह और सिविल सहायक रमेश चंद्र वर्मा ने रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें 26 लाख रुपये की अनियमित्ता पाई गई और अधिशासी अभियंता एनपी त्यागी की भूमिका संदिग्ध मिली। छानबीन में पाया गया कि अधिशासी अभियंता को हेरफेर किए जाने की जानकारी थी। इस आधार पर एनपी त्यागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पड़ोसी ने युवक की चाकू से गोद कर की हत्या, पत्नी को भी किया जख्मी

वाराणसी। वाराणी में सारनाथ थाना क्षेत्र के अकथा के सत्संग नगर के पास रविवार रात करीब 11 बजे पड़ोसी ने 35 साल के युवक राजा बाबू की चाकू मारकर हत्या कर दी। बीचबचाव करने आई राजा बाबू की पत्नी रूबी पर भी ताबड़तोड़ वार कर घायल कर दिया। पत्नी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में मारपीट के बाद चाकू से हमला कर दिया। कालोनी में तीसरी मंजिल पर आवास में राजा बाबू दो बच्चों और पत्नी के साथ रहता था। उसके ठीक नीचे दूसरी मंजिल पर राजेश परिवार के साथ रहता है। बताया जा रहा है कि राजेश शहर में एक राजनीतिक रैली से होकर आया। छककर शराब पी। रात करीब 11 बजे गालीगलौज करने लगा। ऊपर से राजा बाबू उसके दरवाजे पर आया। इस दौरान विवाद और मारपीट के बाद राजेश ने चाकू से हमला कर दिया। पेट में ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। वह भागकर ऊपर अपने आवास में गया तो उसकी हालत देखकर पत्नी अवाक रह गई। राजेश ने उसकी पत्नी को भी घायल कर दिया। घटना के बाद राजेश परिवार समेत फरार हो गया है। सारनाथ पुलिस तलाश में जुटी है।

सहारनपुर में महाशिवरात्रि को लेकर रूट डायवर्जन

सहारनपुर। सहारनपुर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्जन किया है। शहर के अंदर आने वालों को बाहरी सीमाओं पर रोककर बाइपास से निकाला जाएगा। रूट डायवर्जन 28 फरवरी की रात 10 बजे से एक मार्च तक रहेगा। एसएसपी आकाश तोमर ने रूट डायवर्जन वाले स्थान पर पुलिस बल को लगाया है, जो डायवर्जन को कड़ाई से लागू कराएगी। गागलहेड़ी बाइपास कट से होते हुए जो वाहन अंबाला-यमुनानगर जाएंगे, उन्हें बाइपास से निकाला जाएगा। नगर पुरानी चुंगी, भारत माता चौक से पुरानी चुंगी से होते हुए नवाबगंज की ओर एवं नवाबगंज चौक से पुरानी चुंगी की ओर सभी प्रकार के वाहनों को बागेश्वर मंदिर की ओर जाने नहीं दिया जाएगा। इन सभी वाहनों को भारत माता चौक से पहलवान पीर की और डायवर्ट किया गया है। सरसावा बाइपास कट से सभी प्रकार के वाहन ट्रक,ट्रैक्टर-ट्राली को, जिन्हें देहरादून या हरिद्वार की ओर जाना है।

निवेश आयेगा तो युवाओं को रोजगार भी मिलेगा : अमित शाह

किसी भी राज्य में विकास व रोजगार की पहली शर्त कानून व्यवस्था

कुशीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने माफियाओं और अपराधियों का सफाया कर प्रदेश में निवेश का रास्ता साफ किया है। अब यूपी में निवेश आयेगा तो हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और जनता भी अमन चैन से भयमुक्त होकर रहेगी।

कुशीनगर विधानसभा के प्रत्याशी पीएन पाठक के समर्थन में बुद्ध इंटर कालेज में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि किसी भी राज्य में विकास व रोजगार की पहली शर्त कानून व्यवस्था है। यूपी में कानून का साम्राज्य स्थापित करने योगी सरकार ने बेहतरीन काम किया है। अब उत्तर प्रदेश में बम विस्फोट नही होते जबकि बसपा व सपा की सरकार में वाराणसी के संकटमोचन मन्दिर में विस्फोट होते थे और विस्फोट करने वाले आतंकवादियों को छोड़ने का कार्य किया जाता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आतंकवाद से मुक्त किया। उरी व पुलवामा जैसे हमलों का जवाब पाकिस्तान में घुसकर एयर स्ट्राइक कर दिया गया। भारत की सीमा व सेना की तरफ आतंकवादियों व दुश्मन देश की आंख उठाकर देखने की हिम्मत नही होती। विकास की राह में भी हमने उल्लेखनीय कार्य किये हैं।

आंकड़े रखते उन्होंने आम जनता को गैस सिलेंडर, शौचालय, आवास, बिजली, किसान सम्मान राशि, खाद्यान्न, तेल, दलहन का वितरण,कोविड टीकाकरण आदि की चर्चा की। उन्होने कहा कि ऐसा तो आज तक किसी भी सरकार ने नही किया। श्री शाह ने कहा कि उप्र का चुनाव कोई आम चुनाव नही है। यह देश व प्रदेश की सुरक्षा, विकास, सुशासन, माफिया से मुक्ति, यूपी को रोजगार के मामले में नम्बर एक बनाने का चुनाव है। इस बार हमारी सरकार बनेगी तो हम किसानों को बिजली फ्री, गरीब कन्याओं को स्कूटी फ्री, उच्च शिक्षा के लिए टेबलेट व मोबाइल फ्री देंगे। इसके पूर्व सभा स्थल पर पहुंचने पर जिलाध्यक्ष प्रेमचन्द्र मिश्र, पूर्व सांसद राजेश पांडेय, विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने अमित शाह का स्वागत किया। इस अवसर पर भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व आम जन उपस्थित रहे।

सरकारी गाड़ियों से ड्राइवर कर रहे पेट्रोल-डीजल की चोरी

लखनऊ। लखनऊ में सरकारी वाहनों से पेट्रोल-डीजल चोरी कर आम लोगों को सस्ते दामों पर बेचने का खुलासा गोमतीनगर पुलिस ने किया है। पुलिस ने चोरी का तेल खरीदने वाले को सोमवार को गिरफ्तार किया। साथ ही दावा किया कि कई सरकारी विभाग के वाहन चालक इस गिरोह में शामिल हैं। पुलिस गिरफ्तार युवक की निशानदेही पर 12 सरकारी वाहन चालकों का ब्यौरा जुटा रही है। जो सरकारी वाहनों से पेट्रोल-डीजल चोरी कर सस्ते दामों पर बेच रहे हैं।

तेल के खेल में कई चालकों पर गिर सकती है गाज

गोमतीनगर इंस्पेक्टर केशव कुमार तिवारी ने बताया कि नगर निगम के आरआर विभाग के लिपिक विनीत मिश्र ने सरकारी वाहनों से तेल चोरी का मुकदमा 14 फरवरी को लिखाया था। उसी की जांच के दौरान कई वाहन चालकों और खरीदारों के नाम सामने आए। रविवार रात को आरआर विभाग के सामने कम्पोस्ड प्लान्ट एरिया में एक क्वालिस गाड़ी खड़े होने की सूचना मिली। छापेमारी के दौरान कम्पोस्ड एरिया के पिछले हिस्से में क्वालिस खड़ी मिली।

तलाशी लेने पर उसमें आठ गैलन मिले, जिसमें 480 लीटर डीजल था। गाड़ी नंबर के आधार पर सोमवार तड़के बाराबंकी के कुर्सी निवासी राम शंकर को मिठाईलाल चौराहा के पास से हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में सामने आया कि वह सरकारी वाहनों से चोरी किया गया डीजल खरीद कर अपने क्षेत्र में बेचता है। उससे कई सरकारी वाहन चालकों के नाम मिले हैं, जो उसको चोरी का तेल बेचते हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

एटा में सड़क हादसे में 12 कांवड़िये घायल

एटाएक। एटा में महाशिवरात्री के पर्व के पर मैनपुरी से ट्रेक्टर पर सवार होकर फरुखाबाद के कम्पिल गंगा घाट से कावड़ में गंगा जल भरने जाते समय कांवड़ियों से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली अलीगंज में पलट गई। जिससे 12 कांवड़िया घायल हो गए। इनमें से 8 गंभीर रूप से घायल हैं। सभी कांवड़ियों को इलाज के लिए हायर सेंटर सैफई मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया है।

गंगाजल लेकर लौटना था मैनपुरी

जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र में कांवड़ियों से भरी ट्रेक्टर ट्राली संतुलन बिगड़ने के कारण अलीगंज बाईपास मोड़ अगौनापुर के पास पलट गयी जिससे ये हादसा हुआ। घायल ब्रजपाल ने बताया कि ये लोग मैनपुरी जनपद के बीलों गांव से फरुखाबाद के कम्पिल से गंगा जी से कांवड़ में गंगाजल भरने जा रहे थे। वहाँ से इन्हें मैनपुरी के लिए वापस निकलना था। हादसे में 9 कांवड़िये घायल हो गए हैं। डॉ अनुज यादव ने बताया कि हमारे पास 8 के लगभग कांवड़ यात्री आए हैं। जो ट्रेक्टर ट्राली पलटने से दब गए थे। ये कांवड़ भरने जा रहे थे। गंभीर लोगों को सैफई रेफर कर रहे हैं।

गोरखपुर में सीएम योगी के रोड शो में उमड़ी भीड़

सीएम ने कहा कि पांच चरणों के चुनाव हो चुके हैं और रूझान स्पष्ट है

गोरखपुर। यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण के लिए कल शाम चुनाव प्रचार खत्म हो जाएगा। इसके पहले आज सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में रोड शो कर रहे हैं। सीएम योगी के रोड शो में भगवामय हुई सड़कों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ है। सीएम योगी के साथ रथ पर सांसद रविकिशन, विधायक ग्रामीण विपिन सिंह और विधायक सदर डा.राधा मोहन दास अग्रवाल भी सवार हैं।

रोड शो टाउन हॉल से शुरू हुआ है। रोड शो को रेती चौक से नखास, बक्शीपुर, आर्य नगर होते हुए विजय चौराहे तक जाना है। भाजपा कार्यकर्ता नाचते-गाते आगे बढ़ रहे हैं। रोड शो देखने के लिए लोग अपने घरों की बालकनी और छतों पर आ गए हैं। कई लोग परिवार सहित बालकनी में खड़े होकर रोड शो पर फूल बरसा रहे हैं।

बैकग्राउंड में यूपी चुनाव के लिए भाजपा का कैम्पेन सांग आएंगे तो योगी ही... बज रहा है। सांसद रविकिशन लगातार माइक से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा रहे हैं। सीएम योगी के ठीक बाईं ओर गोरखपुर ग्रामीण क्षेत्र से प्रत्याशी विपिन सिंह हाथ जोड़े खड़े हैं। दाहिनी तरफ नगर विधायक डा.राधा मोहन दास अग्रवाल मौजूद हैं। भाजपा ने इस रोड शो के लिए काफी तैयारी की थी थी जिसका असर आज नज़र भी आ रहा है। गौरतलब है कि हाल में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी गोरखपुर में रोड शो किया था।

अमित शाह का कार्यक्रम हुआ स्थगित

पहले इस रोड शो में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी रहना था लेकिन बाद में उनका कार्यक्रम स्थगित हो गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रोड शो से पहले खजनी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को सम्बोधित किया। इसमें उन्होंने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का अधिक लाभ खजनी विधानसभा को हो रहा है। ये सिर्फ एक्सप्रेस वे नहीं है बल्कि ये विकास का एक्सप्रेस वे है।

गोरखपुर का जो सबसे पिछड़ा क्षेत्र था आने वाले समय में ये क्षेत्र गोरखपुर के सबसे विकसित क्षेत्र में से एक होगा।

सीएम ने कहा कि पांच चणों के चुनाव हो चुके हैं और रूझान स्पष्ट है, भाजपा पूर्ण बहुमत से आगे चल रही है। छठे और सातवें चरण में हम केवल छक्का लगाने के लिए तैयार हैं।

महाशिवरात्रि: काशी विश्वनाथ में नई व्यवस्था

पूजन सामग्री के लिए चारों गेट पर ही पात्र, गंगा द्वार से भी मिलेगा प्रवेश

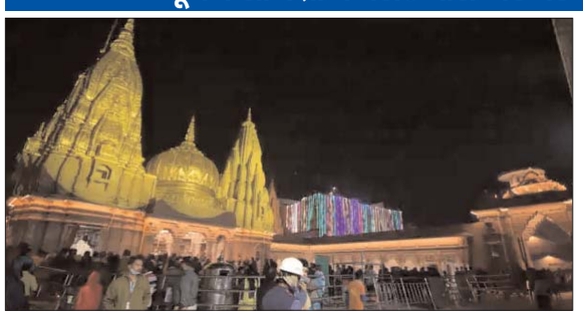

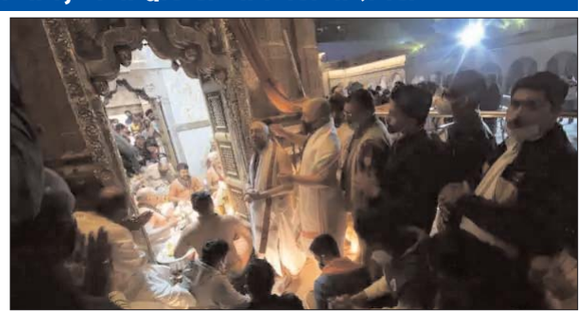

वाराणसी। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण होने के बाद पहली महाशिवरात्रि पर बाबा के धाम में भव्य तैयारियां की गई है। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसके लिए खास व्यवस्था की गई है। कुछ व्यवस्थाएं पहली बार की जा रही हैं। सोमवार की रात मंगला आरती के बाद से दर्शन पूजन शुरू हो जाएगा और लगातार 44 घंटे तक झांकी दर्शन होता रहेगा।

महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह पूजन सामग्री नहीं जा सकेगी। इसके लिए गेट पर ही पात्र रखे जाएंगे। इसमें पूजन सामग्री डाली जाएगी। हालांकि जल और दूध अंदर तक ले जाने की अनुमति होगी।

माला, फूल सहित अन्य पूजन सामग्री के लिए मंदिर के चारों प्रवेश द्वारों पर बड़े पात्र रखे जाएंगे। दर्शन से पहले भक्तों को इन्हीं पात्र में पूजन सामग्री अर्पित करनी होगी। दर्शन कर निकलने वाले हर भक्त को बाबा के निर्माल्य को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा।

सहूलियत के लिए नई व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन तैयारी में जुटा हुआ है। बाबा को चढ़ने वाली पूजन सामग्री को निर्माल्य को निकालने में सफाई में समस्या के साथ ही फर्श के गीला होने की आशंका रहती है। इससे मंदिर परिसर में मौजूद भक्तों की सहूलियत के लिए व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है।

मंदिर के प्रवेश द्वार से श्रद्धालु केवल पात्र में जल या दूध लेकर ही अंदर जा सकेंगे और यह मंदिर के बाहर लगे पात्र में अर्पित किया जा सकेगा। भक्तों की पूजन सामग्री को प्रसाद के रूप में ही प्रवेश द्वार से वितरित किया जाएगा। इस बार गंगा की तरफ से भी धाम में भक्तों को प्रवेश मिलेगा। ललिता घाट से गंगा जल लेकर श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दरबार में प्रवेश करेंगे। परंपरागत शिव बरात के आयोजनों के साथ ही शहर के शिव मंदिरों में भी महाशिवरात्रि के आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। 26 फरवरी से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ धाम के भक्त ऑनलाइन ऐप के माध्यम से लाइव दर्शन भी कर सकेंगे। महाशिवरात्रि पर इसी ऐप के जरिये भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन की तैयारी है।

50-50 मीटर पर एलईडी स्क्रीन

महाशिवरात्रि वाले दिन कतार के दौरान भी बाबा का दर्शन होता रहेगा। इसके लिए हर 50-50 मीटर पर एलईडी स्क्रीन लगी रहेगी। श्रद्धालुओं के लिए पानी बोतलें व लाइव दर्शन की सुविधा जगह जगह उपलब्ध रहेगी।

मंगला आरती के रिकॉर्ड टिकट बिके

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में होने वाली मंगला आरती के लिए रविवार तक आठ सौ लोगों ने बुकिंग करा ली थी। अधिकतम एक हजार लोगों को प्रवेश दिया जाना है। वहीं मंदिर में रात्रि पर्यंत होने वाले शिव-पार्वती विवाह के दौरान चार प्रहर की आरती परंपरागत समय पर होगी।

रूट डायवर्जन

महाशिवरात्रि पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन के लिए आज रात से ही वाराणसी में शिव भक्तों का हुजूम उमड़ेगा।

बाबा अपने भक्तों को मंगलवार की भोर यानी 1 मार्च से 2 मार्च की रात तक लगातार दर्शन देंगे।

रेलवे में लौटी कोविड के पहले जैसी रौनक

गोरखपुर। दो साल बाद ही सही स्टेशनों पर पहले जैसी रौनक और ट्रेनों में पहले जैसी भीड़ फिर शुरू हो गई है। इन दिनों सबसे अधिक भीड़ दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में है। बिहार से आने वाली ट्रेनों में बुरा हाल है। ट्रेनें पूरी तरह से पैक होकर आ रही हैं। स्थिति यह है कि यात्री ट्रेन रुकने पर न तो आसानी से उतर पा रहे हैं और न ही चढ़ पा रहे हैं। दरभंगा से गोरखपुर होते हुए दिल्ली जाने वाली बिहार सम्पर्क क्रांति हो या फिर सहरसा से आने वाली वैशाली या फिर मुजफ्फरपुर से आने वाली सप्तक्रांति। सभी ट्रेनें ठसाठस पैक आ रही हैं।

एक महीने पहले तक जिस गोरखधाम सुपरफास्ट में आसानी से सीट मिल जा रही थी उसमें इन दिनों 200 से अधिक वेटिंग मिल रही है। कुछ तारीखों में तो गोरखधाम और वैशाली में नो-रूम है।

ट्रेनों में भीड़ बढ़ने से भले ही सभी यात्रियों को बर्थ न मिल पा रही हो लेकिन दो साल तक कोरोना का दंश झेलने वाला जंक्शन पूरी तरह से गुलजार नजर आ रहा है। हर प्लेटफार्म पर चहल-पहल और यात्रियों की भीड़ दिख रही है।

यात्रियों की भीड़ बढ़ने से जहां रेलवे की कमाई में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है वहीं दूसरी ओर रेलवे के वेंडरों और कुलियों की भी कमाई बढ़ गई है। कुली शहाबुद्दीन का कहना है कि कोविड के बाद स्थिति काफी खराब हो गई थी।

नहीं मिली बर्थ, फ्लाइट में बुक करना पड़ा टिकट

धर्मपुर के रहने वाले शिवम कुमार बताते हैं उन्हें जरूरी काम से 28 फरवरी को दिल्ली पहुंचना था। दिल्ली की किसी भी ट्रेन में कंफर्म बर्थ नहीं मिली। एक परिचित के माध्यम से मुख्यालय कोटा के लिए भी आवेदन दिया था लेकिन वहां से भी नहीं हुआ। तीन गुना अधिक किराया देकर फ्लाइट में टिकट लेना पड़ा। वहीं मिर्जापुर के रहने वाले श्याम वर्मा बताते हैं कि उनका छोटा बेटा नागपुर में रहता है। घर में शादी थी तो गोरखपुर आया था। अब वापस जाने के लिए किसी भी ट्रेन में कंफर्म बर्थ नहीं मिल पा रही है।

गोरखपुर से मुम्बई आने-जाने वाली ट्रेनें भी पैक

मुम्बइ जाने वाली ट्रेनें भी पूरी तरह से पैक जा रही हैं। कुशीनगर और एलटीटी सुपरफास्ट में वेटिंग 200 के ऊपर है। ट्रेनों में वेटिंग बढ़ने के साथ ही आपातकालीन कोटे में भी मारामारी शुरू हो गई है।

हार के डर से आजमगढ़ से भाग कर करहल गये अखिलेश : मायावती

एजेंसी

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी (सपा) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम करार देते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव हार के डर से आजमगढ़ छोड़ कर करहल भाग गये है और वहां भी वह अपने बुजुर्ग पिता का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहते हैं।

जिले के संविदा गांव में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि भाजपा और सपा को सत्ता में आने से हर कीमत पर रोकना होगा ताकि प्रदेश की जनता को जातिवादी संकीर्ण मानसिकता वाली अहंकारी और तानाशाही सरकार से मुक्ति मिल सके। उन्होने भरोसा जताया कि केवल बसपा ही सभी सीटों पर नंबर वन रहेगी और उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनायेगी।

उन्होने कहा कि बीएसपी की सरकार बनाकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर तथा मान्यवर कांशीराम के सपने को साकार करना है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपना मैदान ही छोड़ दिया क्योंकि आजमगढ़ में वह चुनाव बहुजन समाज पार्टी के गठबंधन से जीते थे ,अब उन्हें पता है कि अब वह चुनाव नहीं जीत सकते हैं। इसलिए उन्होंने विधानसभा का चुनाव आजमगढ़ से ना लड़कर अपने पिता की सीट करहल से चुनाव लड़ रहे हैं और वहां भी अपने बूढ़े पिता का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहते हैं उन्होंने बार-बार अपने मतदाताओं को आगाह किया कि समाजवादी पार्टी को वोट देने का मतलब कि भाजपा को वोट देना ।

मुस्लिम मतों को अपने पक्ष में करने के लिए उन्होने कहा 1977 से 2003 के बीच कई ऐसे अवसर आए जब मुलायम सिंह यादव की भाजपा से नजदीकी दिखी ।

बरेली : सिविल लाइंस में होटल ओबरॉय आनंद का लिंटर गिरा

होटल के नीचे ही बनी है पूरी मार्केट, धमाके से गिरा मलबा धूल का गुब्बा देख भगदड़

बरेली। बरेली के सिविल लाइंस में उस समय बड़ा हादसा टल गया। जब शहर के भीड़-भाड़ वाले इलाके में बना होटल ओबरॉय आनंद का लिंटर धमाके के साथ गिर पड़ा। होटल के नीचे पूरी मार्केट बनी थी, संयोग अच्छा की उस दौरान जिस दुकान पर मलबा गिरा वहां भीड़ नहीं थी। किसी तरह दुकानदार ने भाग कर जान बचाई। वहीं अचानक धमाके के साथ मलबे का गुब्बार देख अनहोनी की आशंका से बाजार में भगदड़ मच गई।

हालांकि कुछ देर बाद जब धूल हटी तो लोगों को पता चला कि होटल का लिंटर गिरा है। फिलहाल मलबे में किसी के दबे न होने की जानकारी पर लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस और होटल प्रबंधक मौके पर पहुंचा।

बारादरी के डोहरा रोड निवासी वरुण ने बताया कि उनकी दुकान के ऊपर ही होटल ओबरॉय आनंद का मलबा गिरा था। वह 40 साल से खिलौनों की दुकान चला रहे हैं। शाम के समय 4 बजे करीब वह दुकान पर बैठे थे। आसपास की दुकानों पर भीड़ थी लेकिन उनकी दुकान पर कस्टमर एक भी नहीं था। वह घर में फोन कर बात कर रहे थे। अचानक तेज धमका हुआ और मलबा गिरने लगा, यह देख वह जान बचाकर भागे।

संयोग था कि जैसे ही वह बाहर निकला होटल का लिंटर भरभरा कर उनकी दुकान पर गिर गया और तेज धमाके के साथ धूल का गुब्बार उड़ने लगा। जिसके देख आसपास के दुकानदार और मौजूद खरीदारों के बीच अनहोनी को लेकर भगदड़ मच गई।

सभी लोग इधर-उधर भागने लगे, करीब 10 मिनट बाद जब धूल का गुब्बार हटा तो पता चला होटल के एक कोने का लिंटर दुकान पर गिर पड़ा है। जिसके बाद लोगों ने चेक किया कि कहीं कोई दबा नहीं है। आसपास के दुकानदारों ने वरुण को दुकान के बाहर देखा तो राहत की सांस ली।

भागते हुए पहुंची पुलिस, हांफते हुए पहुंचा होटल प्रबंधन

सिवि लाइंस में जिस जगह होटल ओबरॉय आनंद बना है। वह सिविल लाइंस का सबसे भीड़ भाड़ वाला इलाका है। होटल के नीचे दर्जनों दुकानें और आसपास चाट के ठेले आदि लगते हैं। जैसे ही कोतवाली पुलिस को पता लगा कि होटल ओबरॉय आनंद का लिंटर गिरा है। पुलिस अनहोनी की आंशका से भागते हुए पहुंची, वहीं होटल प्रबंधन के लोग भी भागते हुए होटल से नीचे आए। जब उन्होंने लिंटर दुकान पर गिरा देखा तो होश उड़ गए।

जब पास जाकर देखा कोई हताहत नहीं तो उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा दिया। वहीं पुलिस ने राहत की सांस ली। जिसके बाद होटल प्रबंधन ने रास्ता सील कर मलबा हटवाने का काम शुरू किया।

शार्ट न्यूज

हिमालया मेंस का नया अभियान

नयी दिल्ली। सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली हिमालया वैलनेस कंपनी ने पुरूषों के लिए अपने उत्पादों का विस्तार करते हुये एक नया उत्पाद शामिल है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि प्रकृति और विज्ञान की शक्ति के साथ हिमालया मेन पिंपल क्लियर नीम फेस वॉश को लड़कों के मुहांसों के प्रभावी समाधान के रूप में पेश करते हुए एक नया अभियान शुरू किया गया है। लड़कों के पिंपल्स का सही सोलुशन नाम से यह अभियान शुरू किया गया है। कंपनी के विपणन महाप्रबंधक राहुल पांचाल ने कहा हिमालया कंपनी का हर उत्पाद ग्राहकों की दिन-प्रतिदिन की व्यक्तिगत देखभाल के लिए बनाया गया है। ब्रांड के मिशन का उद्देश्य, हर घर में वैलनेस और हर दिल में खुशी लाने का है। हमारे उपभोक्ता अध्ययनों से पता चला है कि लड़कों को भी पिंपल्स से नफरत है और वह पिंपल्स के समाधान के लिए अलग-अलग इक्स्पेरीमन्ट करते हैं। हिमालया मेन का यह नया अभियान पिंपल की समस्याओं को हल करने के लिए इस्तेमाल किए गए विभिन्न मिथकों को खत्म करने में सहायता करता है और इस ब्रांड को लड़कों के पिंपल्स का सही सलूशन के रूप में स्थापित करता है।

रूस यूक्रेन संकट से सेमीकंडक्टर की कमी बढ़ सकती है

मुंबई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संकट से सेमीकंडक्टर की कमी और बढ़ सकती है क्योंकि सेमीकंडक्टर में उपयोग होने वाले नियोन और हेलियम का ये दोनों बड़े उत्पादक हैं। मूडीज इंवेसटर्स सर्विस की सहायक इकाई मूडीज एनालिटिक्स ने अपनी एक नयी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में यह कहा गया है कि रूस से एलएनजी की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। मूडीज एनालिटिक्स की वरिष्ठ एपीएसी अर्थशास्त्री कैटरीना इल्ला ने कहा कि रूस यूक्रेन संकट का सेमीकंडक्टर की चल रही कमी पर असर पड़ सकता है क्योंकि नियोन और हेलियम गैर सिप उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। रूस और यूक्रेन दोनों की इसके वैश्विक स्तर पर प्रमुख आपूर्ति कर्ता हैं। उन्होंने कहा कि चिप निर्माण की प्रक्रिया में पल्लाडियम की भी अति महत्वपूर्ण भूमिका है और वैश्विक स्तर पर इसकी आपूर्ति में रूस की भागीदारी एक चौथाई है। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन संकट का चिप के उत्पादन तत्काल असर नहीं दिख रहा है क्योंकि महामारी के दौरान प्रमुख चिप उत्पादकों ने इनका पर्याप्त भंडारण कर रखा है। लेकिन रूस यूक्रेन संकट जारी रहता है जो ताईवान, दक्षिण कोरिया, जापान , चीन और अन्य देशों में चिप निर्माण पर असर दिख सकता है। इससे आने वाले दिनों में चिप की कीमतों में बढोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस विश्व का सबसे बड़ा गैस आपूर्तिकर्ता है और उसकी अधिकांश गैस की आपूर्ति जर्मनी, टली, तुर्की, आस्ट्रिया और फ्रांस के साथ ही अन्य यूरोपीय देशों को की जाती है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत भी अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए कुछ गैस रूस से खरीदते हैं और यदि यह संकट लंबा खींचता है तो इससे वैश्विक स्तर पर गैस की कीमतों में तेजी आ सकती है।

कल्याण ज्वेलर्स की फ्रेंचाइजी लेने का मौका, निवेश के लिए चाहिए इतनी रकम

नई दिल्ली। आभूषण कंपनी कल्याण ज्वेलर्स की फ्रेंचाइजी लेकर कारोबार करना चाहते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, कल्याण ज्वेलर्स ने अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही में फ्रेंचाइजी मॉडल अपनाने का ऐलान किया है। कल्याण ज्वेलर्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने बताया, ''हमने फ्रेंचाइजी व्यवस्था में कदम रखने का फैसला किया है। अब तक कल्याण ज्वेलर्स के सभी स्टोर का मालिकाना हक हमारे पास है। पहले हम 2025 से फ्रेंचाइजी देना शुरू करने वाले थे। लेकिन पिछली तीन-चार तिमाही में बढ़ी मांग को देखते हुए हमने अगले वित्त वर्ष के पहले छह महीने में फ्रेंचाइजी व्यवस्था के तहत दो-तीन स्टोर के साथ शुरुआत करने का फैसला किया है।'' एजेंसी के मुताबिक कल्याण ज्वेलर्स का विस्तार मुख्य रूप से गैर-दक्षिणी भारतीय बाजार में किया जाना है। फ्रेंचाइजी मॉडल के तहत प्रत्येक स्टोर की लागत करीब 20 करोड़ रुपये होगी। कहने का मतलब ये है कि कल्याण ज्वेलर्स की फ्रेंचाइजी के लिए आपको 20 करोड़ रुपए तक निवेश करने पड़ेंगे।

एनएसई मामले में अवैध लाभ पाने वालों पर टेढ़ी नजर, बढ़ेगा जांच का दायरा

नई दिल्ली। एनएसई में चल रही जांच में अब किसी के गैर-कानूनी तरीके से कमाए लाभ की भी जांच होगी। मामले से वाकिफ चार लोगों के अनुसार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) में कथित कॉरपोरेट गवर्नेंस लैप्स की चल रही जांच व्यक्तियों या संस्थाओं द्वारा किए गए गैरकानूनी लाभ की भी जांच करेगी। इनमे से एक सूत्र ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो अपनी जांच के दायरे को व्यापक बनाने के लिए तैयार है, जिसमें नए लीड के आधार पर और लोगों को शामिल किया जाएगा, जिनमें एक्सचेंज के पिछले बोर्ड के कुछ सदस्य भी शामिल हैं। चारों सूत्र ने नाम बताने से इनकार कर दिया। दूसरे सूत्र के अनुसार, आयकर विभाग ने मामले के संबंध में इस महीने की शुरुआत में तलाशी ली थी अब वह एक्सचेंज से कथित सूचना लीक के सभी लाभार्थियों को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। मामले में नियामक व्यक्तियों या संस्थाओं द्वारा प्राप्त किए गए किसी भी अन्यायपूर्ण, गलत लाभ की वसूली करना चाहता है। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय (एमसीए), कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) के माध्यम से, कंपनी अधिनियम के किसी भी कथित उल्लंघन को किसी भी एजेंसी से मामले पर कोई संदर्भ मिलने के बाद देखेगा। चौथे सूत्र ने कहा कि अब तक किसी भी एजेंसी ने इस मामले में मंत्रालय को कोई रिफरेन्स नहीं दिया है। कैपिटल मार्किट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस महीने की शुरुआत में 2013 और 2016 के बीच स्टॉक एक्सचेंज में कथित गवर्नेंस चूक पर कार्यकारी वेतन के कुछ उदाहरणों पर कंपनी अधिनियम के उल्लंघन का हवाला दिया गया था। 11 फरवरी को एक आदेश में, सेबी ने एनएसई और पांच पूर्व कर्मचारियों पर मौद्रिक दंड लगाया, जिसमें प्रबंध निदेशक चित्रा रामकृष्ण और समूह के मुख्य परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम शामिल थे। इसके अलावा एनएसई द्वारा नए प्रोडक्ट लॉन्च करने और इन व्यक्तियों द्वारा बाजार में भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया गया था। मामला सुब्रमण्यम की नियुक्ति और कथित तौर पर एनएसई की गोपनीय जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति से साझा करने का है।

यूक्रेन रूस संकट के बीच शेयर बाजार में लिवाली का जोर

मुंबई। यूक्रेन- रूस संकट के बीच सोमवार को वैश्विक बाजार से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर अंतिम सत्र में हुयी लिवाली के बल पर घरेलू शेयर बाजार शुरूआती गिरावट से उबरते हुये बढ़त बनाने में सफल रहा।

इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 388.76 अंकों की बढ़त लेकर 56 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 56247.28 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 135.50 अंक चढ़कर 16793.90 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों के साथ ही छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 0.83 प्रतिशत बढ़कर23355.61 अंक पर और स्मॉलकैप 0.80 प्रतिशत चढ़कर 26662.33 अंक पर रहा।

बीएसई में कुल 3592 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2112 बढ़त में और 1333 गिरावट में रही जबकि 147 में कोई बदलाव नहीं हुआ। बीएसई में शामिल समूहों में से बैंकिंग 0.59 प्रतिशत, ऑटो 0.60 प्रतिशत और वित्त 0.43 प्रतिशत की गिरावट में रहा जबकि धातु 5.47 प्रतिशत, एनर्जी 2.90 प्रतिशत, बेसिक मटेरियल 2.71 प्रतिशत, तेल एवं गैस 2.48 प्रतिशत, यूटिलिटी 2.11 प्रतिशत और सीडी 2.05 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रूख रहा। इस दौरान चीन का शंघाई कंपोजिट 0.23प्रतिशत और जापान का निक्केई

0.19 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 1.21 प्रतिशत, जर्मनी का डेक्स 2.41 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.24 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स 529 अंकों की गिरावट लेकर 55329.46 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 54833.50 अंक के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसके बाद शुरू हुयी लिवाली कारोबार के अंतिम सत्र तक बनी रही जिससे सेंसेक्स 56324.54 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस के 55858.52 अंक की तुलना में 0.70 प्रतिशत अर्थात 388.76 अंक चढ़कर 56247.28 अंक पर रहा।

एनएसई का निफ्टी 177 अंकों की गिरावट लेकर 16481.60 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 16356.30 अंक के निचले और 16815.90 अंक के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 16658.40अंक की तुलना में 0.81 प्रतिशत अर्थात 135.50 अंक बढ़कर 16793.90 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 33 हरे निशान में और 16 लाल निशान में रही जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से बढ़त में रहने वालों में टाटा स्टील 6.61 प्रतिशत, पावरग्रिड 6.03 प्रतिशत, रिलायंस 3.29 प्रतिशत, टाइटन 3.11प्रतिशत, एनटीपीसी 2.46 प्रतिशत, एल टी 2.21 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.69 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.64 प्रतिशत, सन फार्मा 1.59 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.49 प्रतिशत, इंफोसिस 1.38 प्रतिशत, टीसीएस 0.99 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.93 प्रतिशत, आईटीसी 0.79 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.47 प्रतिशत, विप्रो 0.10 प्रतिशत और स्टेट बैंक 0.09 प्रतिशत शामिल है।

गिरावट में रहने वालों में डॉ रेड्डीज 2.81 प्रतिशत, महिंद्रा 2.07 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.99 प्रतिशत, एचडीएफसी1.56 प्रतिशत, कोटक बैंक 0.84 प्रतिशत, इंड्सइंड बैंक 0.64 प्रतिशत, मारूति 0.50 प्रतिशत, एयरटेल 0.32 प्रतिशत, एचसीएलटेक 0.29 प्रतिशत, नेस्ले इंडिया 0.26 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.12 प्रतिशत और हिन्दुस्तान यूनिलीवर 0.06 प्रतिशत शामिल है।

रूस यूक्रेन संकट के प्रभावों से निटपने पर चर्चा जारी : सीतारमण

चेन्नई। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किये जाने से कृषि क्षेत्र के साथ ही खाद्य तेलों और अन्य क्षेत्रों के लिए गहरी चिंता उत्पन्न हो गयी है और इससे निपटने के लिए सरकार विभिन्न स्तरों पर चर्चा कर रही है।

सीतारमण ने आज यहां आम बजट 2022-23 पर डीडी न्यूज द्वारा आयोजित सम्मेलन में चर्चा के दौरान ये बातें कही। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के इस संकट से कृषि क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता उत्पन्न हो गयी है। इस पर अपातकालीन चर्चायें हो चुकी हैं और इसका अध्ययन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अत्यावश्यक कमोडिटी में शामिल खाद्य तेलों के आयात के भी प्रभावित होने की आशंका है। इससे उत्पन्न होने वाली स्थिति से निटपने पर भी चर्चा की गयी है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के लिए अधिक धनराशि आवंटित करने की कोशिश कर रही है। हालांकि कुछ आर्थिक समस्या है। सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों में भी सीटों की संख्या बढ़ाने और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि देश में बहुत सी दक्ष महिलायें हैं। सरकार उनके कौशन का सम्मान करने और उन्हें रोजगार देने के लिए कई कदम उठाये हैं। महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहन दिये जा रहे हैं ताकि वे औद्योगिक विकास में भागीदार बन सके।

रूसी बैंकों के खिलाफ स्विफ्ट प्रतिबंधों के बाद रूबल 26 प्रतिशत टूटा, डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ और कमजोर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी देशों द्वारा स्विफ्ट वैश्विक भुगतान प्रणाली से रूसी बैंकों को बाहर करने के बाद सोमवार तड़के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूबल लगभग 26 प्रतिशत टूट गया। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध का असर भारतीय रुपये पर भी दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे टूट गया।

रूस की मुद्रा 105.27 रूबल प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर कारोबार कर रही थी। इससे पहले शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रूबल 84 के स्तर पर था। बीते सप्ताहांत अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ ही जापान ने भी रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों में बढ़ोतरी की। इससे पहले घोषित प्रतिबंधों ने रूसी मुद्रा को डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर ला दिया था।

रूस के सेंट्रल बैंक ने गिरते रूबल को संभालने के लिए एक हताशा भरी कोशिश के तहत अपनी प्रमुख दर को 9.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। पश्चिमी देशों द्वारा स्विफ्ट वैश्विक भुगतान प्रणाली से रूसी बैंकों को बाहर करने के बाद सोमवार तड़के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूबल लगभग 26 प्रतिशत टूट गया था।

पश्चिमी देशों द्वारा रूस के विनिमय योग्य मुद्रा भंडार पर रोक लगाने के बाद मुद्रा की गिरावट थामने के लिए सेंट्रल बैंक ने यह कदम उठाया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस रोक से रूस का विनियम योग्य मुद्रा भंडार कितना प्रभावित होगा, लेकिन यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि इससे रूस के 640 अरब अमेरिकी डॉलर के भंडार का आधा हिस्सा प्रभावित होगा।

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे टूटकर 75.33 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर खुला।

रुपया 75.78 और 75.70 के सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था।

खादी ग्रामोद्योग ने की बांस के चारकोल पर 'निर्यात प्रतिबंध' हटाने की मांग

नयी दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने सरकार से बांस उद्योग में कच्चे बांस का उपयोग बढ़ाने और उसे अधिक लाभप्रद बनाने के लिए बांस के चारकोल पर निर्यात की रोक हटाने का अनुरोध किया है। आयोग का मानना है कि इससे बांस उद्योग के अपशिष्ट का उपयोग बढ़ेगा और इकाइयों को लाभ होगा। इस बारे में आयोग के प्रमुख ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री को पत्र लिखा है। सूक्ष्म , लधु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ' भारतीय बांस उद्योग के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में एक चुनौती बांस का अपर्याप्त उपयोग है। इसके कारण साधन-सामग्री की लागत बढ़ जाती है। बांस के चारकोल का निर्यात खुलने से बांस उद्योग के अपशिष्ट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा और इस तरह बांस के व्यवसाय को अधिक लाभदायक बना देगा।' केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर बांस उद्योग के वृहद लाभ के लिए बांस चारकोल पर निर्यात प्रतिबंध हटाने की मांग की है। आयोग का कहना है कि अगरबत्ती और बांस शिल्प उद्योगों में उत्पन्न बांस अपशिष्ट का व्यावसायिक उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप, गोल बांस की छड़ियों के लिए बांस इनपुट लागत 25,000 रुपये से 40,000 रुपये प्रति टन के बीच है, जबकि बांस की औसत लागत 4,000 रुपये से 5,000 रुपये प्रति टन के बीच में है। इसकी तुलना में, चीन में बांस की कीमत 8,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति टन है, लेकिन 100 प्रतिशत अपशिष्ट उपयोग के कारण उनकी इनपुट लागत 12,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति टन है।

116वें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल और डीजल के दाम

04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी

नयी दिल्ली। रूस-यूक्रेन संकट से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों ने कुछ नरमी के बाद तेजी हासिल कर ली है। घरेलू स्तर पर आज लगातार 116 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: पांच और 10 रुपये घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। डीजल की कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयार्क में ब्रेंट क्रूड 102.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि अमेरिकी क्रूड 5.78 प्रतिशत बढ़कर 96.88 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	95.41	86.67
कोलकाता	104.67	89.79
मुंबई	109.98	94.14
चेन्नई	101.40	91.43

अमूल दूध महंगा : आज से 2 रुपए बढ़ी हुई कीमत पर मिलेगा दूध

अमूल गोल्ड की कीमत 30 रुपये प्रति किलो होगी

राजकोट। अमूल ने देशभर के मार्केट में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। ताजा दरों के मुताबिक, अब 1 मार्च यानी मंगलवार से अहमदाबाद और सौराष्ट्र (गुजरात) के बाजारों में अमूल गोल्ड दूध की कीमत 30 रुपये प्रति 500 मिलीलीटर, अमूल ताजा 24 रुपए प्रति 500 मिलीलीटर, और अमूल शक्ति 27 रुपए प्रति 500 मिली मिलेगा।

अमूल ने देशभर के मार्केट में दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। अब अमूल दूध कल यानी 1 मार्च से अहमदाबाद और सौराष्ट्र के मार्केट में अमूल गोल्ड दूध की कीमत 30 रुपये प्रति 500 मिलीलीटर, अमूल ताजा 24 रुपए प्रति 500 मिलीलीटर, और अमूल शक्ति 27 रुपए प्रति 500 मिली मिलेगा।

जुलाई 2021 में भी दूध के दाम बढ़ चुके हैं

गुजरात कोआपरेटिव दूध मार्केटिंग एसोसिएशन ने एक वर्ष पूरा होने से पहले दूध के दामों में इजाफा कर दिया है। इससे पहले जुलाई 2021 में दूध के दाम बढ़ाए थे। बढ़ी हुई कीमतें अमूल दूध के सभी ब्रांडों पर लागू होंगी, जिसमें सोना, ताजा, शक्ति, टी-स्पेशल, साथ ही गाय और भैंस के दूध शामिल हैं। तकरीबन 7 माह और 27 दिन के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की जा रही है। कंपनी ने कहा कि प्रोडक्शन कॉस्ट की बढ़ती कीमतें की वजह से यह इजाफा किया जा रहा है। GCMF के मुताबिक पिछले 2 सालों में अमूल ने अपने ताजा दूध श्रेणी की कीमतों में प्रति वर्ष केवल 4ल की वृद्धि की है। दामों में यह इजाफा पैकेजिंग, रसद, पशु आहार लागत में वृद्धि की वजह से किया जा रहा है, इस प्रकार दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में भी इजाफा हुआ है। एसोसिएशन की मानें तो वह ग्राहकों से मिलने वाले हर 1 रुपए में से करीब 80 पैसे दुग्ध प्रोडक्शन को बांट देता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.76 अरब डॉलर बढ़कर 632.95 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 2.76 अरब डॉलर बढ़कर 632.95अरब डॉलर पर रहा जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.76 अरब डॉलर घटकर 630.20 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 118फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1 .49 अरब डॉलर बढ़ कर 567.06 अरब डॉलर पर रहा। वहीं, इस दौरान स्वर्ण भंडार 1.27 अरब डॉलर बढ़कर 41.54 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 19.16 अरब डॉलर हो गया। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 40 लाख डॉलर बढ़कर 5.22 अरब डॉलर रह गई।

फ्रीलांस काम करके कमाए हैं पैसे तो समझिए चुकाना होगा कितना ज्यादा टैक्स

नई दिल्ली। अगर टैक्स की भाषा में बात करें तो फ्रीलांस नौकरियों से हुई आय को व्यापार या पेशे से लाभ और लाभ के रूप में माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसी आय को स्वरोजगार से होने वाली कमाई के रूप में देखा जाता है। भारत में फ्रीलांसरों द्वारा अर्जित आय पर लागू कर नियम हैं। एक फ्रीलांसर आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए केवल ITR-3 या ITR-4 का विकल्प चुन सकता है। यहां तक कि अगर एक वेतनभोगी व्यक्ति ने किसी विशेष वित्तीय वर्ष में अपनी नौकरी के बाहर फ्रीलांसिंग से कोई आय अर्जित की है, तो उसे व्यवसाय या पेशे से आय वाले लोगों के लिए योग्य आईटीआर फॉर्म का विकल्प चुनना होगा। व्यावसायिक आय की तरह, फ्रीलांस आय वाले

करदाताओं के पास भी अपनी आय से ऐसे खर्चों को घटाने का विकल्प होता है जो फ्रीलांस काम करने के लिए किए जाते हैं।

कहां कर सकते हैं टैक्स कटौती का दावा

कटौती योग्य खर्चों में उस संपत्ति का किराया शामिल है जिसे आपने काम करने के लिए लिया हो सकता है और ऐसी संपत्ति पर आपके द्वारा किए गए किसी भी मरम्मत की लागत, लैपटॉप या पर्सनल कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर की गई कोई भी मरम्मत जो आपके पास काम करने के लिए है, कार्यालय व्यय जैसे क्रय आपूर्ति, इंटरनेट बिल और फोन बिल, कार्य के लिए की गई यात्रा से संबंधित व्यय, कार्यालय/सह-कार्यस्थल तक आने-जाने के परिवहन बिल शामिल है।

इसके अलावा उपयोग किए जाने वाले लैपटॉप जैसे उपकरणों का मूल्यह्रास के लिए भी दावा कर सकते हैं। उन खर्चों के लिए जो व्यक्तिगत रूप से योग्य हो सकते हैं, जैसे कि फोन बिल, आप कटौती का दावा करने के लिए खर्च के एक हिस्से को व्यावसायिक उपयोग के लिए आवंटित कर सकते हैं।

आईटीआर दाखिल करते समय फ्रीलांसरों को 50,000 रुपए की मानक कटौती का दावा करने की अनुमति नहीं है। हालांकि, अगर किसी वित्तीय वर्ष में आपने नियमित नौकरी की है और फ्रीलांस काम भी किया है, तो आप वेतन आय पर मानक कटौती का दावा कर सकते हैं। टैक्सपेयर को अलग-अलग स्रोतों से एक वित्तीय वर्ष में अपनी आय का निर्धारण करना चाहिए और देय कर पर पहुंचने के लिए खर्च और योग्य टैक्स ब्रेक घटाना चाहिए। ध्यान दें कि अधिकांश नियोक्ता फ्रीलांसरों को किए गए भुगतान पर टीडीएस काटते हैं, इसलिए कर देयता की गणना करते समय टीडीएस को शामिल करें। फ्रीलांस आय वाले लोगों को हर तिमाही में नियत तारीख के भीतर अग्रिम कर का भुगतान करना पड़ता है, जब शुद्ध कर योग्य राशि 10,000 रुपए से ऊपर होती है।

यदि आप कुल कर की गणना करते हैं जो 10,000 रुपए से अधिक है, तो आपको आयकर कानून के अनुसार उस पर ब्याज देना होगा।

अनुमान से धीमी रही देश की जीडीपी ग्रोथ, तीसरी तिमाही में 5.4 फीसदी पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधिकारिक आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। इस तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 0.7 प्रतिशत थी। अहम बात है कि जीडीपी के ताजा आंकड़े तमाम अनुमानों से भी कम हैं। अलग-अलग एजेंसियों के द्वारा जो अनुमान लगाए हैं वो 5.4 फीसदी से भी ज्यादा हैं।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तुलनात्मक आधार कमजोर होने से अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 20.3 प्रतिशत रही थी। दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी।

एनएसओ के एडवांस अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी में जारी पहले एडवांस अनुमान में मौजूदा वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी थी। जबकि 2020-21 में इसमें 6.6 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।

इस बीच, औद्योगिक कर्मचारियों की खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए गए हैं। जनवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 5.84 प्रतिशत पर पहुंच गयी। मुख्य रूप से कुछ खाने का सामान महंगा होने से महंगाई दर बढ़ी है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक जनवरी महीने में सालाना आधार पर मुद्रास्फीति बढ़कर 5.84 प्रतिशत पहुंच गयी जो इससे पिछले महीने दिसंबर 2021 में 5.56 प्रतिशत थी। वहीं एक साल पहले जनवरी, 2021 में यह 3.15 प्रतिशत थी।

आंकड़ों से पहले बाजार में रिकवरी

जीडीपी के आंकड़ों से पहले भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में रिकवरी आ गई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,025 अंक से अधिक लुढ़ककर 54,833.50 अंक तक आ गया था।

शार्ट न्यूज

वेस्ट इंडीज के दिग्गज क्रिकेटर सनी रामाधीन का 92 साल की उम्र में निधन

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्ट इंडीज के दिग्गज स्पिन गेंदबाज सनी रामाधीन का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। क्रिकेट वेस्ट इंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इसकी पुष्टि की है। सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष रिकी स्केरिट ने रविवार को कहा, सीडब्ल्यूआई की ओर से मैं वेस्ट इंडीज क्रिकेट के महान क्रिकेटरों में से एक सनी रामाधीन के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करता हूं। श्री रामाधीन ने विश्व क्रिकेट के पटल पर पहली बार कदम रखते ही प्रभाव डाला। 1950 के दौरे पर उनके जबरदस्त प्रदर्शन के बारे में कई कहानियां बताई जाती हैं, जब उन्होंने अल्फ वेलेंटाइन के साथ मिलकर क्रिकेट के 'स्पिन ट्विन्स' का निर्माण किया। तब वेस्ट इंडीज ने पहली बार इंग्लैंड को घर से बाहर हराया था। स्केरिट ने कहा, यह प्रतिष्ठित दौरा हमारी समृद्ध क्रिकेट विरासत का हिस्सा है, जिसका नेतृत्व श्री रामाधीन और उनकी पीढ़ी के अन्य लोगों ने किया था। इंग्लैंड के खिलाफ उनके यादगार प्रदर्शन को एक प्रसिद्ध केलिप्सो में मनाया गया था, जिसे 70 से अधिक वर्षों के बाद भी याद किया जाता है। आज हम सनी रामाधीन को वेस्ट इंडीज क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सलाम करते हैं। 1950 में ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद उन्होंने कुल 43 टेस्ट खेले और 28.98 के औसत से 158 विकेट लिए। वह 1950 में इंग्लैंड में वेस्ट इंडीज की ऐतिहासिक पहली टेस्ट जीत का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 152 रन पर 11 लेकर वेस्ट इंडीज कर 3-1 से सीरीज जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मुल्तान सुल्तांस को हरा कर लाहौर कलंदर्स ने जीता पहला पीएसएल खिताब

लाहौर। मोहम्मद हफीज (69) और हैरी ब्रूक (41) की तूफानी पारियों तथा कप्तान शाहीन शाह आफरीदी (30 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत लाहौर कलंदर्स ने रविवार को यहां पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2022 के फाइनल में गत विजेता मुल्तान सुल्तांस को 42 रन से हरा कर पहला पीएसएल खिताब जीता। लाहौर कलंदर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए हफीज, ब्रूक और डेविड वीज की विस्फोटक पारियों से 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन का बड़ा स्कोर बनाया। फिर बाद में आफरीदी, हफीज और जमान खान की घातक गेंदबाजी के दम पर मुल्तान सुल्तांस को 19.3 ओवर में 138 रन पर ऑलआउट कर दिया और अपना पहला पीएसएल खिताब हासिल किया। लाहौर कलंदर्स इससे पहले 2020 सीजन का उप विजेता रहा है। हफीज ने नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 46 गेंदों पर 69, ब्रूक ने दो चौकों और तीन छक्कों के सहारे 22 गेंदों पर 41 और वीज ने एक चौके और तीन छक्कों के दम पर मात्र आठ गेंदों पर 28 रन की तूफानी पारी खेली। वहीं गेंदबाजी में आफरीदी ने चार ओवर में 30 रन पर सर्वाधिक तीन तथा हफीज और जमान ने दो-दो विकेट लिए। हफीज को मैच विजयी अर्धशतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच', जबकि मुल्तान सुल्तांस के कप्तान मोहम्मद रिजवान को पूरे टूर्नामेंट में 546 रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' पुरस्कार मिला।

रवि ने योसर डोगू रैंकिंग श्रृंखला टूर्नामेंट में जीता स्वर्ण पदक

इस्तांबुल। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया ने सोमवार को तुर्की में योसर डोगू रैंकिंग श्रृंखला टूर्नामेंट में उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लाव को 11-10 से हराकर 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल जुलाई में टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद दहिया का यह पहला मुकाबला था। दहिया ने इससे पहले रविवार को क्वालीफिकेशन राउंड में हमवतन मंगल कादयान को 7-0 से हराया। इसके बाद उन्होंने मुख्य ड्रॉ में लगातार जीत दर्ज की। उन्होंने प्री-क्वार्टर में इटली के शमील मखमुदोविच ओमारोव को 7-2, क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के निकोलस डैनियल मेगालुडिस को 10-1 को हराया और सेमीफाइनल में ईरान के मोहम्मदबाघेर एस्माईल यखकेशी को 9-2 से हराया और फाइनल में प्रवेश किया। रवि के अलावा टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने फ्रीस्टाइल 92 किग्रा भार वर्ग में रेपेचेज के माध्यम से ईरान के अहमद यूसेफ बजरीगलेह से अपना क्वार्टर फाइनल मैच हारने के बाद कांस्य पदक जीता।पुनिया ने कांस्य पदक मुकाबले में कजाकिस्तान के एल्खान असदोव को 7-1 से हराने से पहले रेपेचेज राउंड में किर्गिस्तान के मिरलन चिनीबेकोव को 8-2 से हराया। वहीं एक अन्य भारतीय पहलवान अमन फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जॉर्जिया के बेका बुजियाशविली से हार गए, लेकिन कांस्य पदक पदक मैच में मंगोलिया के जानाबाजार जंदनबुद को 10-5 से हराकर कांस्य पदक जीता।

पंजाब किंग्स के कप्तान बने मयंक अग्रवाल

मोहाली। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने आगामी आईपीएल 2022 सीजन के लिए सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को कप्तान बनाया है। 30 वर्षीय मयंक लोकेश राहुल की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे, जो आईपीएल की मेगा नीलामी से पहले नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए थे। मयंक ने कप्तान बनाए जाने पर कहा, मैं 2018 से पंजाब किंग्स में हूं और मैं इस शानदार यूनिट का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व महसूस करता हूं। मुझे टीम का नेतृत्व करने का मौका दिया गया है। मैं इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। साथ ही मुझे विश्वास है कि इस सीजन में हमारे पास मौजूद प्रतिभा से मेरा काम आसान हो जाएगा। टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले ने इस बारे में कहा, मयंक 2018 से टीम का और पिछले दो वर्षों से नेतृत्व समूह का एक अभिन्न अंग रहे हैं। हमने जो नई टीम चुनी है उसमें रोमांचक युवा प्रतिभा और उत्कृष्ट अनुभवी खिलाड़ी हैं। हम मयंक की कप्तानी में भविष्य के लिए एक मजबूत नींव बनाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि मयंक का 2021 सीजन शानदार रहा था।

रूस में नहीं खेला जाएगा कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। यूक्रेन-रूस के युद्ध के बीच कई देश और कई खेल संस्थाओं ने रूस के खिलाफ कड़े फैसले लिए हैं। इस कड़ी में फुटबॉल के अंतरराष्ट्रीय शासकीय निकाय फीफा ने रूस में कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट ने खेले जाने की घोषणा की है। फीफा ने हालांकि कई राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघों के दबाव के बावजूद रूस को फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर से नहीं हटाया है। फीफा परिषद ब्यूरो ने रविवार को एक बयान में कहा, रूस के क्षेत्र में कोई भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं खेला जाएगा। रूस के घरेलू मैच तटस्थ क्षेत्र पर और दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। रूस का प्रतिनिधित्व करने वाला सदस्य संघ किसी भी प्रतियोगिता में रूसी फुटबॉल संघ (आरएफयू) के नाम से भाग लेगा। उन मैचों में रूस के राष्ट्रध्वज या राष्ट्रगान का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, जहां रूसी फुटबॉल संघ की टीमें भाग लेंगी। फीफा परिषद ब्यूरो ने कहा, आगामी फीफा विश्व कप 2022 क्वालीफायर के संबंध में फीफा ने पोलिश फुटबॉल एसोसिएशन, चेक गणराज्य फुटबॉल एसोसिएशन और स्वीडिश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त की गई स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दिया है और पहले से ही सभी के साथ बातचीत कर रहा है। फीफा इस समस्या का मिल कर एक उचित और स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए सभी के साथ निकट संपर्क में रहेगा।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप से सख्त बायो बबल को हटाया गया, रोजाना कोरोना टेस्ट भी नहीं होंगे

दुबई। न्यूजीलैंड में चार मार्च से शुरू होने वाले 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए सख्त बायो बबल और रोजाना कोरोना टेस्ट प्रक्रिया को हटा दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसके बजाय टूर्नामेंट को प्रबंधित वातावरण में कराने करने की योजना बनाई है। नए नियम इस तथ्य पर विचार करने के बाद बनाए गए हैं कि सभी टीमों और अधिकारियों के न्यूजीलैंड आने पर आइसोलेशन से गुजरना अनिवार्य है। आईसीसी के महाप्रबंधक ज्योफ एलार्डिस ने सोमवार को मीडिया के साथ बातचीत में कहा, हमारा दृष्टिकोण टूर्नामेंट के आसपास एक प्रबंधित माहौल बनाने का है। गिने-चुने कोरोना टेस्ट होंगे और यह दैनिक आधार पर नहीं होंगे। यहां सारी बात खिलाड़ियों की जिम्मेदारी लेने की है। यह जानते हुए कि वे एक महीने के लिए न्यूजीलैंड में हैं। इस अवधि के दौरान उनका ख्याल रखना जरूरी है, न कि ये कि वे कड़े बायो बबल में रहें, क्योंकि यह व्यावहारिक नहीं होगा और निश्चित रूप से इससे टीमें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी।

एलार्डिस ने कहा, कुछ सामान्य दिशा-निर्देश हैं जो आवश्यक हैं, लेकिन हम खिलाड़ियों और टीमों को समझदार होने के लिए कह रहे हैं। उन क्षेत्रों से दूर रहें जहां संक्रमण के खतरे की संभावना है। दूसरी बात यह है कि हमने पिछले कुछ टूर्नामेंटों में पाया (वेस्ट इंडीज में जनवरी-फरवरी में पुरुष अंडर-19 विश्व कप) कि भले ही कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आए, लेकिन कोरोना के लक्षण वाले लोगों की संख्या बहुत कम थी। हम खिलाड़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यह कुछ बदलाव हैं, जो हम छह महीने पहले कर सकते थे।

आईसीसी के महाप्रबंधक ने इस बात पर जोर दिया कि सभी टीमों को पहले ही न्यूजीलैंड पहुंचने के लिए बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। यहां सीमाएं आंशिक रूप से खुली हैं और फिर क्वारंटीन के बाद पर्याप्त तैयारी के समय की सुविधा भी एक समस्या है।

एलार्डिस ने कहा, नवंबर में न्यूजीलैंड सरकार ने क्वारंटीन अवधि को दस दिनों तक बढ़ा दिया था, इसलिए हमने टीमों को तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय जोड़ा, लेकिन यह फिर से सात दिन हो गया, इसलिए तार्किक रूप से यह तारीखों और समय के साथ चुनौतीपूर्ण रहा है। हमें उम्मीद है कि जैसे ही स्थिति सुधरेगी हम टूर्नामेंट के दूसरे भाग के दौरान मैदानों पर दर्शकों की संख्या बढ़ाने में सक्षम होंगे।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी अभी भी पूरी दुनिया के लिए चिंता का सबसे बड़ा विषय है।

ऐसे में आईसीसी ने टूर्नामेंट का योजना के अनुसार आगे बढ़ना सुनिश्चित करने के लिए प्लेइंग कंडीशन्स में भी बदलाव किया है। इसके तहत महिला विश्व कप के दौरान अगर कोई टीम कोरोना महामारी के प्रभाव के कारण कम से कम नौ खिलाड़ियों को मैदान पर उतारने में सक्षम है तो मैच आगे बढ़ेगा। वहीं ऐसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए टीमों को अतिरिक्त रिजर्व खिलाड़ियों के साथ यात्रा की अनुमति दी गई है।

एलार्डिस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस प्रावधान की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन यह ऐसा फैसला था जो हमें कोरोना के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के पिछले कुछ महीनों के प्रकोप के बाद लेना था।

हमारे लगभग सभी टूर्नामेंटों में हमें कोरोना संक्रमण के मामलों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आइसोलेशन के कारण खिलाड़ियों की संख्या कम हो गई थी। वेस्ट इंडीज में हाल ही समाप्त पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप के बाद हमें आखिरकार यह फैसला लेना पड़ा।

पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टीम 24 साल के अंतराल के बाद पाकिस्तान के दौरे पर गई है। पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों को जबरदस्त सुरक्षा प्रदान की गई है। हालांकि, इस बीच एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है, क्योंकि पाकिस्तान के दौरे पर गए ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्पिनर एश्टन अगर की पार्टनर को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है।

एश्टन एगर की पार्टनर को धमकी भरे मैसेज में लिखा मिला है कि क्रिकेटर को पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड और द एज के पास वो मैसेज है, जो एगर की पार्टनर Madeleine को मिला है। इसकी शिकायत क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया सीए और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी से कर दी गई है, जिसमें आगे की कार्रवाई जारी है।

टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि एगर को मौत की धमकी मिली थी, लेकिन टीम की सुरक्षा ने जांच की है और पाया है कि यह कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है। एक सुझाव है कि यह एक नकली इंस्टाग्राम अकाउंट से है और कोई बाहर का अकाउंट यूज किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 1998 के बाद से पाकिस्तान के अपने पहले दौरे पर इस तरह के व्यवधानों की योजना बनाई थी। अपनी पत्नी को सीधे संदेश भेजे जाने के बावजूद एगर को अच्छे मूड में हैं। रावलपिंडी में शुक्रवार के पहले टेस्ट से पहले टीम का पहला प्रशिक्षण सत्र मंगलवार को होगा।

एएफसी कप के ग्रुप डी मैचों की मेजबानी करेगा कोलकाता

कोलकाता। एशियाई फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कोलकाता के एएफसी कप 2022 के ग्रुप डी मैचों के मेजबान होने की पुष्टि की है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा कि एएफसी ने रविवार को एआईएफएफ को एक पत्र लिख आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) को एएफसी कप 2022 के दक्षिण क्षेत्र ग्रुप डी मैचों के लिए केंद्रीकृत स्थान के रूप में चुना गया है। ग्रुप डी में गोकुलम केरल एफसी, बंगलादेश की बशुंधरा किंग्स टीम, माजिया स्पोर्ट्स एंड रिक्रिएशन ऑफ द मालदीव शामिल होंगे। इसके अलावा प्रारंभिक और प्लेऑफ चरणों में छह टीमों वाली दक्षिण एशियाई प्रतियोगिता के विजेता को भी ग्रुप में जगह मिलेगी।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म में लौटीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। 4 मार्च से न्यूजीलैंड में आईसीसी महिला वर्ल्ड कप खेला जाना है। इस टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया ने अपने आखिरी मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया। वर्ल्ड कप से पहले इस मैच में स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। मंधाना ने कहा कि वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म में लौटकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। न्यूजीलैंड ने भारत को 252 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मिताली राज एंड कंपनी ने 46 ओवर में ही चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत के लिए अच्छी बात रही कि वर्ल्ड कप से ठीक पहले मंधाना, हरमनप्रीत कौर के बैट से रन निकले। हरमनप्रीत कौर की फॉर्म चिंता का सबब बनी हुई थी, लेकिन इस ऑलराउंडर ने 66 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। ओपनिंग बैटर मंधाना ने 84 गेंद पर 71 रनों की पारी खेली और इस दौरान नौ चौके जड़े। वहीं कप्तान मिताली राज ने 66 गेंद पर नॉटआउट 57 रनों की पारी खेली।

मंधाना ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि कीवी टीम को 250 पर रोककर हमारी बॉलर्स ने काफी अच्छा काम किया। विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था तो हम सब ने बैट से योगदान दिया। मैं खुश हूं कि वर्ल्ड कप से पहले लय में लौटी हूं। मुझे लगता है यह सीरीज हमारे लिए बड़ा एडवांटेज रही। हमने कुछ करीबी मैच खेले, वर्ल्ड कप खेलने के लिए लड़कियां कॉन्फिडेन्ट हैं। हमें उम्मीद है कि हम इस कॉन्फिडेन्स को लेकर वर्ल्ड कप खेलने उतरेंगे।

यूक्रेन ने रूस के 5300 सैनिक मारने का दावा किया

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यूक्रेन की स्थिति पर एक खुफिया जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पिछले पांच दिनों में रूस और यूक्रेन युद्ध में बड़ी तादाद में रूसी सैनिक हताहत हुए है।

रूस ने हालांकि हताहत सैनिकों की संख्या पर चुप्पी साधा रखी हैं। यूक्रेन ने कहा है कि युद्ध में अब तक 5,300 रूसी सैनिक मारे गए हैं।

इस बीच रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को स्वीकारा कि युद्ध के दौरान उनके कई रूसी सैनिक मारे गए और घायल भी हुए है, लेकिन उन्होंने वास्तिवक संख्या नहीं बताई।

बीबीसी ने मंत्रालय के सूत्रों का हवाले देते हुए कहा,पुतिन की सेना कीव के उत्तर में 30 किमी से अधिक की दूरी पर है। होस्टोमेल हवाई क्षेत्र की सुरक्षा करने वाले यूक्रेनी बलों ने रूसी सेना के आगे बढ़ने की गति पर अभी लगाम लगा रही है।

चेर्नीव और खारकिव के आसपास भारी जंग जारी है, हालांकि अभी तक दोनों शहर यूक्रेन के नियंत्रण में हैं।

मंत्रालय ने कहा, सैन्य विफलताओं और कट्टर यूक्रेनी प्रतिरोध ने रूसी अग्रिम को निराश करना जारी रखा है। रूसी रूसी सशस्त्र बलों ने पहली बार माना है कि युद्ध में रूसी सैनिक हताहत हुए हैं। वहीं, यूक्रेन के गृह मंत्री ने कहा कि रूसी हमले में 352 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। इनमें 14 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 116 बच्चों सहित 1684 लोग घायल हो गए हैं।

यूक्रेन ने जारी बयान में रूसी हमलों में मारे गए यूक्रेनी सैनिकों को हताहतों की जानकारी नहीं दी गई है।

दूसरी ओर रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना केवल यूक्रेनी सैनिकों को निशाना बना रही है और यूक्रेन के लोगों को उससे कोई खतरा नहीं है।

यूक्रेन सेना प्रमुख ने रूसी सेना को हुए नुकसान के बारे में फेसबुक में बताया कि उनके मुताबिक 29 विमान, 29 हेलीकॉप्टर, 191 टैंक, 816 सैन्य वाहन, 74 केनन, एक मिसाइल सिस्टम, 60 फ्यूल टैंक, तीन यूएवी संचालक, दो शिप, पांच एंटी एयरक्राफ्ट वारफेयर सिस्टम मार गिराए हैं, जबकि 5300 रूसी सैनिक मारे गए हैं।

रूस ने सोमवार को आक्रामण की धार को कम किया है, लेकिन जमीनी लड़ाई में अभी तक वह सफल रहा है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करते हुए, हमलावरों ने जाइटॉमिर और चेर्निहिव शहरों में आवासीय भवनों पर एक मिसाइल हमला किया।

यूक्रेन सेना प्रमुख ने कहा, रूसी हमलावरों द्वारा सैन्य अभियान के लक्ष्य को प्राप्त करने के सभी प्रयास विफल हो गए हैं। उन्होंने कहा, दुश्मन का मनोबल गिरा हुआ है और उसे भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुश्मन महसूस कर रहा है कि प्रचार और वास्तविकता दोनों अलग-अलग हैं। कब्जा करने वाले हमसे डर रहे हैं।

यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध अभी भी जारी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर एक आपातकालीन सत्र आयोजित करने के लिए 193 सदस्यीय महासभा के लिए मतदान किया है।

जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को यूक्रेन छोड़ने को कहा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के सैनिकों से जल्द से जल्द देश (यूक्रेन) छोड़ देने के लिए कहा है। जेलेंस्की ने अपने एक वीडियो संबोधन में यह चेतावनी दी। इससे पहले उन्होंने सोमवार को बेलारूस में मॉस्को और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के बीच शांति वार्ता के मद्देनजर अगले 24 घंटे की अवधि को अहम बताया था। उन्होंने कहा कि करीब साढ़े चार हजार रूसी सैनिक मार गिराए गए हैं और अब यह आंकड़ा बढ़कर 5,300 हो गया है। उन्होंने कहा , अपने हथियार डाल दें और देश छोड़ दें।

रूस के खिलाफ युद्ध के लिए कैदियों को रिहा किया जायेगा : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि रूस के खिलाफ जंग लड़ने के लिए उन कैदियों को रिहा किया जायेगा जिनके पास युद्ध करने का अनुभव है। जेलेंस्की ने कहा , इस तरह का फैसला लेना कठिन जरुर है, लेकिन देश की सुरक्षा के लिए यह अपरिहार्य भी है। ऐसे समय में देश की सुरक्षा से बढ़कर और कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि रिहा किये जाने वाले कैदी युद्धजनित क्षेत्रों में अपने देश के लिए लड़ेंगे। इस बीच यूक्रेन के गृह मंत्री ने कहा कि रूस के हमले में अब तक 14 बच्चों समेत 352 यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। इसके अलावा, 1,684 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से 116 बच्चे हैं। दूसरी ओर रूस ने दावा किया है कि उनकी सेना सिर्फ यूक्रेन के सुरक्षा बलों को निशाना बना रही है और यहां के आम नागरिकों को कोई खतरा नहीं है। रूस ने युद्ध में मारे गये अपने सैनिकों की संख्या के बारे में कोई रिपोर्ट जारी नहीं की है , लेकिन यूक्रेन का दावा है कि उनकी जवाबी कार्रवाई में करीब 5,300 रूसी सैनिकों की मौत हुई है।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से आठ लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में भीषण बाढ़ के कारण आठ लोगों की मौत हो गई है। देश के पूर्वी तटीय हिस्से में मौसम खराब बना हुआ है, जिसके कारण रिहायशी इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है और स्कूल बंद कर दिये गये हैं। क्वींसलैंड राज्य की पुलिस ने सोमवार को बताया कि राज्य में दो लोग बाढ़ के पानी में बह गये। राजधानी ब्रिसबेन के उत्तर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा व्यक्ति गोल्ड कोस्ट के गांव में मृत पाया गया। क्वींसलैंड प्रीमियर अन्नास्तासिया पालासचुक ने कहा कि मौजूदा समय में 1,540 लोग बाढ़ का पानी बढ़ने के कारण दक्षिण पूर्व के विभिन्न इलाकों में राहत शिविर में हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 18,000 घर बाढ़ से प्रभावित हुए और 1,000 विद्यालय अस्थायी तौर पर बंद कर दिये गये हैं मौसम विभाग के क्वींसलैंड ब्यूरो ने चेतावनी दी कि राज्य में अधिकतम बारिश 530 एमएम हो चुकी और अगले कुछ दिन अत्यधिक बारिश जारी रह सकती है। खराब मौसम दक्षिण की ओर आगे बढ़ रहा है और भारी बारिश तथा बाढ़ से न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्लू) राज्य में खतरा बढ़ गया है। बाढ़ का खतरा बढ़ने के कारण लिसमोर के उत्तरी एनएसडब्ल्यू शहर के नागरिक को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है।

ईयू दे सकता है यूक्रेनियों को तीन साल तक रहने की अनुमति

दिल्ली। यूरोपीय संघ यूक्रेन छोड़ कर आने वाले लोगों को तीन साल तक रहने और काम करने का अधिकार दे सकता है. अभी तक कम से कम 3,00,000 यूक्रेनी शरणार्थी ईयू जा चुके हैं और आने वाले दिनों में लाखों और जा सकते हैं.27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पोलैंड, रोमानिया, स्लोवाकिया और हंगरी की सीमाएं यूक्रेन से सटी हुई हैं. शरणार्थियों का स्वागत करने की जरूरत पर फ्रांस के गृह मंत्री जेराल्ड दरमानी ने कहा, युद्ध से बच कर आ रहे लोगों को स्वीकार करना हमारा कर्त्तव्य है उन्होंने यह बताया कि संघ के गृह मंत्रियों ने रविवार को यूरोपीय आयोग से कहा कि वो इन शरणार्थियों को संरक्षण देने के लिए प्रस्ताव के मसौदों पर काम करे. सभी मंत्री प्रस्ताव के बारीकियों पर विमर्श के लिए मंगलवार को फिर मिलेंगे. बाल्कन युद्ध की विरासत ईयू के अस्थायी संरक्षण दिशानिर्देशों को 1990 के दशक के बाल्कन युद्ध के बाद बनाया गया था लेकिन आज तक उनका इस्तेमाल नहीं किया गया. इनके तहत सभी सदस्य देशों में एक से ले कर तीन साल तक संरक्षण का प्रावधान है इन प्रावधानों के तहत रहने की अनुमति, रोजगार के मौके, सरकारी मदद और इलाज की सुविधा मिल सकती है. संघ के गृह मामलों की आयुक्त इलवा जोहान्सन ने कहा कि रविवार को अधिकांश मंत्रियों ने इस कदम को अपना समर्थन दिया था और सिर्फ कुछ ही मंत्रियों ने यह सवाल उठाया था कि इस कदम को उठाने का यही समय है या अभी थोड़ा और इंतजार करना ही सबसे सही कदम होगा।

रूस के साथ जंग में उतरा नाटो, यूक्रेन को मिसाइल और ऐंटी-टैंक हथियार देने का ऐलान

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जंग में अब नाटो भी आधिकारिक तौर पर एक पक्ष बन गया है। नाटो संगठन का कहना है कि इसकी ओर से यूक्रेन को एयर-डिफेंस मिसाइल और ऐंटी-टैंक हथियार दिए जाएंगे। नाटो के चीफ जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने एक ट्वीट कर यह जामकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने यूक्रेन के राष्ट्रपति से इस बारे में बात की है। हम जल्दी ही यूक्रेन को एयर डिफेंस मिसाइल और ऐंटी-टैंक हथियार मुहैया कराएंगे।

नाटो चीफ ने इस बीच अन्य देशों के नेताओं से भी बात की है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में बताया कि उनकी लिथुआनिया के राष्ट्रपति से बात हुई है, जिसमें रूस के हमले के बाद पैदा हुई स्थिति के बारे में बात की गई है। उन्होंने कहा कि नाटो ने बाल्टिक देशों में अपनी ताकत को बढ़ाने का फैसला लिया है।

उन्होंने रूस को कड़ी चुनौती देते हुए कहा कि हम अपने सहयोगियों और उनकी एक-एक इंच जमीन की रक्षा करेंगे। इस बीच नाटो देशों की एकता और यूक्रेन को मदद के ऐलान के बीच रूस ने न्यूक्लियर ड्रिल शुरू कर दी है। रूसी मीडिया के हवाले से खबर है कि व्लादिमीर पुतिन ने एटमिक हथियारों को अलर्ट पर रख दिया है। इस बीच यूक्रेन से अब तक 5 लाख से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं। एएफपी ने यूएन के हवाले से बताया है कि पिछले सप्ताह रूस के आक्रमण के बाद से 5 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से भाग गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी मामलों के उच्चायोग (यूएनएचसीआर) प्रमुख फिलिपो ग्रांडी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। यूएनएचसीआर की प्रवक्ता शाबिया मंटू ने कहा कि 281,000 लोग पोलैंड में, हंगरी में 84,500, मोल्दोवा में लगभग 36,400, रोमानिया में 32,500 से अधिक और स्लोवाकिया में लगभग 30,000 लोग प्रवेश कर रहे हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

महाशिवरात्रि 2022: शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

नंदी बैल : भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित : शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

क्यों मनाते हैं महाशिवरात्रि, इस साल किन राशियों के लिए शुभ है शिवरात्रि का पर्व

इस वर्ष महाशिवरात्रि पर शुभ मुहूर्त और संयोग के साथ ही पंचग्रही योग भी बन रहे हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा की तो मिलेगा का उनका आशीर्वाद। आओ जानते हैं कि क्यों मनाते हैं महाशिवरात्रि और इस वर्ष किन राशियों के लिए है शिवरात्रि शुभ।

इसलिए मनाते हैं महाशिवरात्रि

प्रतिवर्ष श्रावण माह में आने वाली चतुर्दशी को शिवरात्रि मनाई जाती है। कहते हैं कि भगवान शिव ने अमृत मंथन के दौरान निकले हलाहल नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था। इसी विष की तपन को शांत करने के लिए इस दिन सभी देवताओं ने उनका जल और पंचामृत से अभिषेक किया था। इसीलिए श्रावण माह में शिवजी को जल और दूध अर्पित करने का प्रचलन है।

प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी पर पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है, जिसे बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने का विशेष महत्व और विधान है। कहते हैं कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में आदिदेव भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए थे। कहते हैं कि इसी दिन भगवान शंकर की माता पार्वती के साथ शादी भी हुई थी। इसलिए रात में शंकर की बारात निकाली जाती है। रात में पूजा कर फलाहार किया जाता है। अगले दिन सवेरे जौ, तिल, खीर और बेल पत्र का हवन करके व्रत समाप्त किया जाता है।

इस साल इन राशियों के लिए शुभ है शिवरात्रि का पर्व

1. मेष : मेष राशि मंगल की राशि है। इसीलिए मेष राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि का दिन शुभ रहने वाला है क्योंकि इस दिन मंगलवार भी है। आपको भोलेबाबा का आशीर्वाद मिलेगा और सभी मनोकामना पूर्ण होगी।
2. वृषभ : वृषभ राशि शुक्र की राशि है। शुक्रदेव और शुक्राचार्य भोलेबाबा के भक्त हैं। शुक्र की शनि से मित्रता है। इसीलिए महाशिवरात्रि का दिन आपके लिए शुभ होने वाला है और इस दिन संतान सुख बढ़ेगा।
3. मिथुन : मिथुन राशि बुध की राशि है। बुध इस समय शनि की मकर राशि में गोचर कर रहा है। बुधदेव भी चंद्रकुल के हैं। चंद्रदेव शिव के भक्त हैं। महाशिवरात्रि के दिन आप पर भोलेबाबा की कृपा रहेगी। यह त्योहार खुशियां और शुभ समाचार लेकर आ रहा है।
4. कर्क : कर्क राशि का स्वामी चंद्र है। चंद्रदेव भोलेबाबा के भक्त हैं। आपको महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होगा और आपको सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलेगी।
5. सिंह : सिंह राशि सूर्य की राशि है और सूर्य कुंभ से मीन राशि में प्रवेश करने वाले हैं। आपके लिए महाशिवरात्रि का दिन बहुत ही खास रहने वाला है। भगवान शिव का आशीर्वाद मिलेगा और सभी मनोकामना पूरी होगी।
6. तुला : तुला राशि भी वृषभ की तरह शुक्र की राशि है। शुक्रदेव और शुक्राचार्य भोलेबाबा के भक्त हैं। शुक्र की शनि से मित्रता है। इसीलिए महाशिवरात्रि का दिन आपके लिए शुभ होने वाला है और इस आपको संकटों से मुक्ति मिलेगी।
7. मकर : मकर राशि शनिदेव की राशि है। इस राशि पर भगवान शनि के साथ ही भगवान शिव की विशेष कृपा रहती है। अतः महाशिवरात्रि का दिन इनके लिए बहुत ही खास होने वाला है।
8. कुंभ राशि : यह राशि भी शनिदेव की राशि है। आप पर भी शनिदेव के साथ भी भोलेबाबा की की विशे कृपा बनी रहती है। बाबा की कृपा से इस दिन से आपके सभी तरह के कष्टों का अंत होगा।

गुरु की राशि धनु और मीन, मंगल की राशि वृश्चिक और बुध की राशि कन्या के पहले से ही अच्छे दिन चल रहे हैं।

डिस्क्लेमर : यह जानकारी ज्योतिष मान्यता, गोचर की प्रचलित धारणा आदि पर आधारित है। इसकी पुष्टि वेबदुनिया नहीं करता है। पाठक ज्योतिष के किसी जानकार से पूछकर ही कोई निर्णय लें।

यह महाशिवरात्रि है बहुत खास, दुर्लभ संयोग में होगा भोलेनाथ का विवाह

इस बार की महाशिवरात्रि कुछ खास है क्योंकि यह बहुत ही शुभ मुहूर्त, शुभ योग और पंचग्रही योग में मनाई जाएगी। इस दिन दुर्लभ संयोग में भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह होगा। आओ जानते हैं पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ सभी योग और संयोग के बारे में।

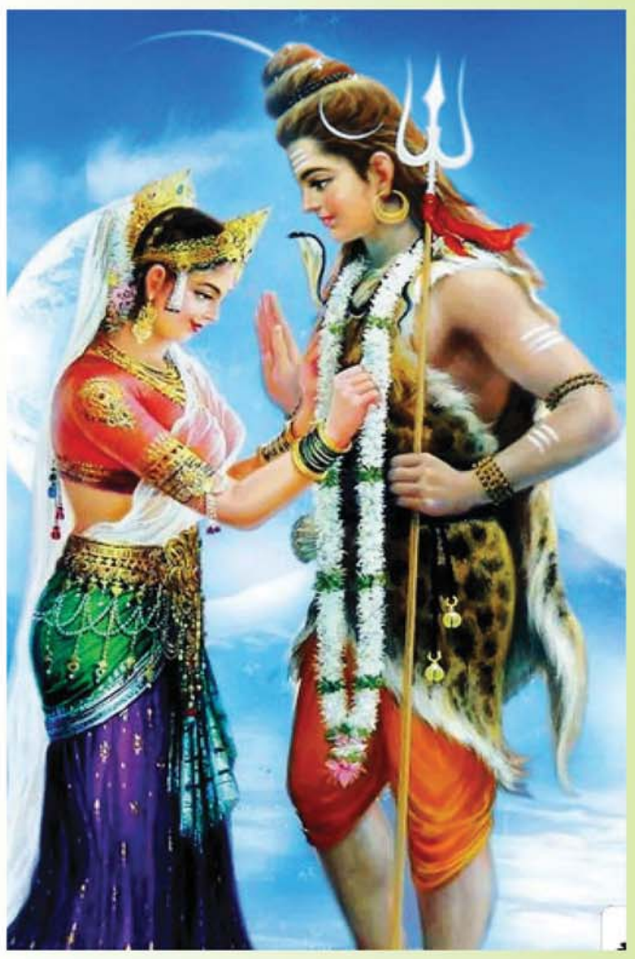

महाशिवरात्रि डेट : इस वर्ष महाशिवरात्रि 1 मार्च को सुबह 03.16 मिनट से शुरू होकर बुधवार, 2 मार्च को सुबह 10 बजे तक रहेगी। कहते हैं महाशिवरात्रि के दिन चाहे कोई भी समय हो भगवान शिव जी की आराधना करना चाहिए।

शुभ मुहूर्त
- अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:47 से दोपहर 12:34 तक।
- विजय मुहूर्त : दोपहर 02:07 से दोपहर 02:53 तक।
- गोधूलि मुहूर्त : शाम 05:48 से 06:12 तक।
- सायाह्न संध्या मुहूर्त : शाम 06:00 से 07:14 तक।
- निशिता मुहूर्त : रात्रि 11:45 से 12:35 तक।
- रात्रि में शिव जी के पूजन का शुभ समय शाम 06.22 मिनट से शुरू होकर रात्रि 12.33 मिनट तक रहेगा।

खास संयोग : धनिष्ठा नक्षत्र में परिघ योग रहेगा। धनिष्ठा के बाद शतभिषा नक्षत्र रहेगा। परिघ के बाद शिव योग रहेगा। सूर्य और चंद्र कुंभ राशि में रहेंगे।

ग्रह संयोग: बारहवें भाव में मकर राशि में पंचग्रही योग रहेगा। मंगल, शुक्र, बुध और शनि के साथ चंद्र है। लग्न में कुंभ राशि में सूर्य और गुरु की युति रहेगी। चतुर्थ भाव में राहु वृषभ राशि में जबकि केतु दसवें भाव में वृश?चिक राशि में रहेगा।

चन्द्रबल : मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर और मीन।

ताराबल : भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद और रेवती है।

भगवान शिव के 12 अनमोल वचन

भगवान शिव दुनिया के सभी धर्मों का मूल हैं। शिव के दर्शन और जीवन की कहानी दुनिया के हर धर्म और उनके ग्रंथों में अलग-अलग रूपों में विद्यमान है। भगवान शिव के अनमोल वचनों को 'आगम ग्रंथों' में संग्रहित किया गया है। आगम का अर्थ ज्ञान अर्जन। पारंपरिक रूप से शैव सिद्धांत में 28 आगम और 150 उप-आगम हैं। शिव पुराण, शिव संहिता, शिव सूत्र, महेश्वर सूत्र और विज्ञान भैरव तंत्र सहित अनेक ग्रंथों में अनमोल वचनों को संग्रह करके रखा गया है। उनमें से ही कुछ अनमोल मोती...

- कल्पना ज्ञान से महत्वपूर्ण: आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि 'कल्पना' ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम जैसी कल्पना और विचार करते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। सपना भी कल्पना है। अधिकतर लोग खुद के बारे में या दूसरों के बारे में बुरी कल्पनाएं या खयाल करते रहते हैं। दुनिया में आज जो दहशत और अपराध का माहौल है उसमें सामूहिक रूप से की गई कल्पना का ज्यादा योगदान है।
- बदलाव के लिए जरूरी है ध्यान : आदमी को बदलाहट की प्रामाणिक विधि के बिना नहीं बदल सकते। मात्र उपदेश से कुछ नहीं बदलता। भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा में माता पार्वती को मोक्ष की शिक्षा दी थी। पार्वती और शिव के बीच जो संवाद होता है उसे 'विज्ञान भैरव तंत्र' में संग्रह किया गया है। इसमें ध्यान की 112 विधियां संग्रहीत है।
- शून्य में प्रवेश करो : विज्ञान भैरव तंत्र में शिव पार्वतीजी से कहते हैं, 'आधारहीन, शाश्वत, निश?चल आकाश में प्रविष?ट होओ।' वह तुम?हारे भीतर ही है। भगवान शिव कहते हैं- 'वामो मार्गः परमगहनो योगितामप्यगम्यः' अर्थात वाम मार्ग अत्यंत गहन है और योगियों के लिए भी अगम्य है। -मेरुतंत्र...भगवान शिव के योग को तंत्र या वामयोग कहते हैं। इसी की एक शाखा हठयोग की है।
- आदमी पशुवत है : मनुष्य में जब तक राग, द्वेष, ईर्ष्या, वैमनस्य, अपमान तथा हिंसा जैसी अनेक पाशविक वृत्तियां रहती हैं, तब तक वह पशुओं का ही हिस्सा है। पशुता से मुक्ति के लिए भक्ति और ध्यान जरूरी है।

भगवान शिव के कहने का मतलब यह है कि आदमी एक अजायबघर है। आदमी कुछ इस तरह का पशु है जिसमें सभी तरह के पशु और पक्षियों की प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। आदमी ठीक तरह से आदमी जैसा नहीं है। आदमी में मन के ज्यादा सक्रिय होने के कारण ही उसे मनुष्य कहा जाता है, क्योंकि वह अपने मन के अधीन ही रहता है।

- मरना सीखो: यदि जीवन में कुछ सीखना है तो मरना सीखो। जो मरना सीख जाता है वही सुंदर ढंग से जीना जानता है।
- गायत्री मंत्र: ' 'गायत्री-मंजरी' में 'शिव-पार्वती संवाद' आता है जिसमें भगवती पूछती हैं- 'हे देव! आप किस योग की उपासना करते हैं जिससे आपको परम सिद्धि प्राप्त हुई है?' उन्होंने उत्तर दिया- 'गायत्री ही वेदमाता है और पृथ्वी सबसे पहली और सबसे बड़ी शक्ति है। वह संसार की माता है। गायत्री भूलोक की कामधेनु है। इससे सब कुछ प्राप्त होता है। ज्ञानियों ने योग की सभी क्रियाओं के लिए गायत्री को ही आधार माना है।'
- जीवन को सुखमयी बनाने के लिए : भोजन और पान (पेय) से उत्पन्न उल्लास, रस और आनंद से पूर्णता की अवस्था की भावना भरें, उससे महान आनंद होगा। या अचानक किसी महान आनंद की प्राप्ति होने पर या लंबे समय बाद बंधु-बांधव के मिलन से उत्पन्न होने वाले आनंद का ध्यान कर तल्लीन और तन्मय हो जाएं।
- प्रकृति का सम्मान करो : प्रकृति हमें जीवन देने वाली है, इसका सम्मान करो। जो इसका अपमान करता है समझो मेरा अपमान करता है। दुनिया का हर काम प्रकृति के नियमों और तरीकों से ही होता है, लेकिन अहंकार से ग्रसित लोग ऐसा मानते हैं कि सबकुछ वही कर रहे हैं।
- योग की शक्ति को समझो

विस्मयो योगभूमिकाः। स्वपदंशक्ति। वितर्क आत्मज्ञानमू। लोकानन्दः समाधिसुखम्। -शिवसूत्र

अर्थातः विस्मय योग की भूमिका है। स्वयं में स्थिति ही शक्ति है। वितर्क अर्थात विवेक आत्मज्ञान का साधन है। अस्तित्व का आनंद भोगना समाधि है।

- अपनी तरफ देखो- न तो पीछे, न आगे। कोई तुम्हारा नहीं है। कोई बेटा तुम्हें नहीं भर सकेगा। कोई संबंध तुम्हारी आत्मा नहीं बन सकता। तुम्हारे अतिरिक्त तुम्हारा कोई मित्र नहीं है। -शिवसूत्र
- माया को समझोः

आत्मा चित्तम्। कलादीनां तत्वानामविवेको माया। मोहावरणात् सिद्धिः। जाग्रद् द्वितीय करः। -शिवसूत्र

अर्थात आत्मा चित्त है। कला आदि तत?वों का अविवेक ही माया है। मोह आवरण से युक्त को सिद्धियां तो फलित हो जाती हैं, लेकिन आत्मज्ञान नहीं होता है। स्थायी रूप से मोह जय होने पर सहज विद्या फलित होती है। ऐसे जाग्रत योगी को, सारा जगत मेरी ही किरणों का प्रस्फुरण है, ऐसा बोध होता है।

- अपनी जागरूकता का विस्तार करो। अन्य प्राणियों के शरीर में अपनी जागरूकता का विस्तार करके महसूस करो कि वे क्या सोचते हैं। अपने शरीर की जरूरतों को एक तरफ छोड़ दो।- शिवसूत्र

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा